WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

घर जाने की खुशी में करीना कपूर ने शेयर की पाउट वाली सेल्फी जल्द पहुंचेंगी मुंबई

वर्षः 01 अंक : 303 | लखनऊ, गुरुवार, 22 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

30 लाख सरकारी कर्मचारियों को दिवाली बोनस का तोहफा, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़े तोहफे का एलान हुआ। कैबिनेट ने 30 लाख सरकारी कर्मचारियों को 3737 करोड़ रुपये का दिवाली बोनस देने का फैसला किया है। कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए उत्पादकता और गैर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में बताया कि बोनस की एकमुश्त राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर) के माध्यम से कर्मचारियों के खातों में भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि दशहरा या दुर्गा पूजा से पहले ही 30 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को 3737 करोड़ रुपये के बोनस का भुगतान शुरू हो जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट के इस निर्णय से सरकार के 30 लाख से अधिक गैर-राजपत्रित कर्मचारियों को लाभ पहुंचेगा। वहीं, राजकोषीय खजाने पर 3737 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार पड़ेगा। पिछले सप्ताह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पेशल फेस्टिवल एडवांस स्कीम शुरू करने

का एलान किया था। इसके तहत कर्मचारी 10 हजार रुपये एडवांस में ले सकेंगे। कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम,1989 को केंद्र शासित प्रदेश में लागू करने की मंजूरी भी दे दी। जावड़ेकर ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इससे देश के अन्य हिस्सों की तरह जम्मू-कश्मीर में भी जमीनी स्तर पर लोकतंत्र के तीनों स्तरों को स्थापित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोग अब चुनाव से अपने प्रतिनिधि चुन सकेंगे। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद भारत के कई जन कल्याण के कानून वहां लागू होना शुरू हो गए हैं। पिछले सप्ताह ही त्रिस्तरीय पंचायत समिति का कानून जम्मू-कश्मीर में भी लागू हो गया। यही तो कश्मीर पर अन्याय था। जन कल्याण के अनेक कानून भारत में होकर भी लागू नहीं होते थे। आज उस निर्णय पर मुहर लगी। उन्होंने कहा कि यह कानून लागू होने से केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी। लोगों के हाथ में सत्ता आएगी। कश्मीर का एक दुख था कि सत्ता लोगों के पास नहीं चंद लोगों के पास थी। अब वह आम जनता के पास आ गई है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। जावड़ेकर ने उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर के लोग इस बदलाव का स्वागत करेंगे।

लद्दाख में एलएसी पर लंबे समय तक टिकने की फिराक में चीन

बीजिंग, एजेंसी। लद्दाख में तनावपूर्ण माहौल को चीन लगातार वार्ता से सुलझाने की बात करता रहता है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर कुछ ऐसा कर रहा है, जिससे युद्ध के संकेत मिल रहे हैं। दरअसल, चीन सीमा पर अपने जवानों के लिए तैनात हथियारों और लॉजिस्टिक सपोर्ट अपग्रेड कर रहा है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के वेस्टर्न थिएटर कमांड के तहत भारत-चीन की सीमा आती है। वह लगातार अपने हथियारों को बढ़ा रहा है और सैनिकों के रहने के लिए स्थायी बैरकों का निर्माण कर रहा है। इसके अलावा, सर्दी के कपड़ों को भी अपग्रेड कर रहा है। चीनी सेना यह जवानों और हथियारों को लेकर यह कदम तब उठा रही है, जब पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत-चीन के बीच महीनों से सीमा विवाद जारी है। भारत ने एलएसी पर चीनी जवानों की मौजूदगी का लगातार विरोध किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले हफ्ते कहा कि यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा चुनौती पेश करता है। हालांकि, इन सबके बीच यह स्पष्ट है कि पीएलए सर्दी वाली जगह पर ठहरने के लिए खुद को तैयार कर रही है। भारी हथियारों के अलावा, पीएलए अपने जवानों को हल्के, सटीक पैदल चलने वाले हथियारों से तैनात करने पर फोकस कर रहा है। वहीं, लद्दाख में अगले हफ्ते भारत-चीन के बीच कोर कमांडर स्तर के आठवें दौर की वार्ता होने की भी संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तिब्बती पठार की अत्याधिक सर्दी में राइफल की परफोर्मेंस को टेस्ट करने का भी मौका मिलेगा। इससे पहले, इस महीने तिब्बत कमांड ने भी पहली बार उच्च ऊंचाई पर ट्रक-आधारित कई रॉकेट-प्रोपेल्ड माइन लांचर की टेस्टिंग की थी। यह ड्रिल 14 हजार फिट की ऊंचाई पर की गई थी। वहीं, सिर्फ हथियार ही नहीं, पीएलए अपने सैनिकों को आने वाले महीनों में गर्म रखने के लिए अन्य कदम भी उठा रहा है। पीएलए डेली रिपोर्ट में बताया गया है कि पठारी सीमा के सैनिकों के लिए कपड़ों के सप्लायर ने तत्काल नए कोल्ड-प्रूफ रजाई के बैच का उत्पादन किया।

चुनाव आयोग का राजनीतिक दलों को निर्देश

कोरोना संबंधी नियमों का सख्ती से करें पालन

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को एक एडवायजरी जारी की है जिसमें उसने चुनाव प्रचार के दौरान कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। इसमें कहा गया है कि आयोग ने भीड़ में अनुशासन बनाए रखने को लेकर दलों और उम्मीदवारों द्वारा की जारी ढिलाई पर गंभीरता से विचार किया है। बता दें कि इस महीने के अंत में बिहार में होने वाले तीन चरणों वाले विधानसभा चुनावों की शुरुआत होनी है। चुनाव आयोग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए जाने के बावजूद चुनावी रैलियों में कोविड-19 से जुड़े नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं। साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन नहीं किया जा रहा है। आयोग ने इन स्थितियों को देखते हुए एक विशेष दल बिहार भेजने का निर्णय भी लिया है। यह दल चुनाव के दौरान इन नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए नजर रखेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया था कि विशेष दल चुनाव में नामाकंन से लेकर मतदान तक की स्थिति पर निगरानी रखेगा। डोर-टू-डोर अभियान प्रतिबंधों के अधीन है। उम्मीदवार सहित सिर्फ पांच लोगों को डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार के लिए जाने की अनुमति दी गई है। हालांकि इसमें सुरक्षा कर्मियों की संख्या को शामिल नहीं किया गया है। वाहनों के काफिले को 10 वाहनों के बजाय हर पांच वाहनों के बाद तोड़ा जाना चाहिए। वाहनों के दो काफिले के बीच का अंतर 100 मीटर के अंतराल के बजाए आधा घंटा होना चाहिए। हर व्यक्ति चुनाव-संबंधी हर गतिविधि के दौरान फेस मास्क पहनेगा। सभी व्यक्तियों की थर्मल स्क्रीनिंग होगी।

फारूक अब्दुल्ला ईडी दफ्तर से बाहर निकले

श्रीनगर, एजेंसी। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला एक हफ्ते में दूसरी बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। उनकी यह पेशी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) में करोड़ों रुपये के कथित घोटाले और धनशोधन के मामले में पूछताछ के लिए हुई थी। पूछताछ खत्म होने के बाद अब वे आवास के लिए रवाना हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री 83 वर्षीय अब्दुल्ला से इसी सिलसिले में 19 अक्टूबर को ईडी ने करीब छह घंटे तक पूछताछ की थी। अब्दुल्ला ने सोमवार को पूछताछ के बाद कहा था कि वह इससे चिंतित नहीं हैं और जांच में सहयोग करेंगे। पिछली बार पूछताछ जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित मुख्य धारा की पार्टियों की अब्दुल्ला के घर हुई बैठक और 'गुपकर घोषणपत्र' के लिए गठबंधन बनाने के फैसले के चार दिन बाद हुई थी।

कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी, घटकर 7.40 लाख हुये

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के सक्रिय मामलों में लगातार कमी हो रही है और अब इसकी संख्या घटकर 7.40 लाख पर आ गई है तथा संक्रमण का आंकड़ा लगातार बढ़ते हुए 76.51 लाख हो गया है। देश में स्वस्थ होने वाले कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने से सक्रिय मामलों में कमी देखी जा रही है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 54,044 नये मामले आये और संक्रमितों की कुल संख्या 76,51,107 हो गयी। इसी अवधि में 61,775 लोगों ने कोरोना को मात दी है और इसे मिलाकर देश में अब तक 67,95,103 मरीज कोरोनामुक्त हो चुके हैं। नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामले 8,448 घटकर 7,40,090 हो गये हैं। इस दौरान 717 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई और इस संख्या को मिलाकर अब तक 1,15,914 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। देश में स्वस्थ होने वालों की दर बढ़कर 88.81 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर घटकर 9.67 प्रतिशत पर आ गयी है जबकि मृत्यु दर अभी 1.51 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 509 से बढ़कर 1.74 लाख से अधिक हो गये हैं जबकि 213 की मौत होने से मृतकों की संख्या 42,453 हो गयी है। इस दौरान 7,429 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 13.92 लाख से अधिक हो गयी।

पीएम मोदी ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कोविड-19 महामारी से लेकर प्रमुख वैश्विक गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया। दोनों नेताओं ने सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में तेजी लाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई की प्रगति, अंतरराष्ट्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में चल रहे विविधीकरण, एक पारदर्शी, विकासोन्मुखी और नियमों पर आधारित वैश्विक व्यापारिक व्यवस्था को बनाए रखने की जरूरत और विश्व व्यापार संगठन की अहम भूमिका समेत प्रमुख वैश्विक गतिविधियों पर विचार-विमर्श किया। बयान में कहा गया कि दोनों नेता इन मुद्दों पर संपर्क में बने रहने और सभी क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में तेजी लाने पर सहमत हुए।

खादी ग्रामोद्योग करे पांच हजार करोड़ रुपए का सालाना कारोबार: नीतिन गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नीतिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग नये डिजायन और रणनीति अपनाकर 5000 करोड रुपए का सालाना कारोबार कर सकता है। श्री गडकरी ने यहां सिल्क, कपास और ऊन से निर्मित खादी के जूता - चप्पल उत्पाद की नयी श्रंखला ऑनलाइन जारी करते हुए कहा कि खादी आयोग को नये डिजाइनों, नये उत्पादों और नये बाजारों की ओर ध्यान देना चाहिए। कपड़े से निर्मित महिला बैग, रुमाल और अन्य उत्पादों की विदेशी बाजारों में भारी मांग है। खादी आयोग को इसका फायदा उठाना चाहिए। विदेशों बाजारों में पहुंच बनाकर आयोग 5000 करोड़ रुपए का कारोबार कर सकता है। इस अवसर पर मंत्रालय में राज्य मंत्री प्रताप चंद्र षडंगी ने कहा कि खादी की इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में काम कर रहे कलाकारों और शिल्पकारों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इन जूता चप्पलों को बनाने में गुजरात के पटोला सिल्क, बनारसी सिल्क, मधुबनी चित्रकारी का सिल्क, खादी डेनिम, तसर सिल्क, मटका कटिया सिल्क, टवीड ऊन और खादी वस्त्र का इस्तेमाल किया गया है। आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि भारतीय जूता बाजार 50 हजार करोड़ रुपए का है।

अनुच्छेद 370 हटने से सबसे ज्यादा परेशान राहुल और ओवैसी: मुख्यमंत्री योगी

जमुई, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में राजग प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में उतरे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भी विपक्ष पर तीखा हमला जारी रखा। मुख्यमंत्री ने बिहार के जमुई में हुई रैली में कहा कि कश्मीर से धारा 370 हटने का सबसे ज्यादा दर्द राहुल गांधी और ओवैसी को हो रहा है। राजद के 10 लाख नौकरी देने के चुनावी वादे को बिहार के युवाओं के साथ मजाक बताते हुए योगी ने कहा कि नौकरी देने की बात वो लोग कर रहे हैं, जिन्होंने 15 साल गरीबों का राशन तो खाया ही जानवरों का चारा भी खा गए। योगी ने बिहार के लोगों को कोरोना के बाद अयोध्या आने और राम लला के दर्शन का न्योता भी दिया। सीएम योगी ने बुधवार को जमुई, तरारी (भोजपुर) और पालीगंज (पटना)

विधान सभा क्षेत्र में राजग उम्मीदवारों के पक्ष में जन सभाएं कीं। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की बेटी श्रेयसी सिंह का प्रचार करने वह जमुई में रैली के मंच पर पहुंचे तो उत्साहित भीड़ ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ जबरदस्त स्वागत किया। योगी ने जनसभा की शुरुआत पीएम मोदी द्वारा देश के नाम दिए गए संदेश की चर्चा से की। उन्होंने लोगों से मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग की अपील करते हुए कहा कि जब तक दवाई नहीं तब ढिलाई नहीं के मूल मंत्र को अपनाएं। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने जिस मजबूती के साथ कोराना से जंग लड़ी है उसका उदाहरण पूरी दुनिया दे रही है। योगी ने कहा कि जब दुनिया सोच रही थी कि कोरोना में क्या करना है तब हमारे प्रधानमंत्री ने लाकडाउन कर दिया और गरीबों के भारण पोषण और आर्थिक विकास के पैकेज की भी घोषणा की। पीएम ने बिना किसी भेद भाव के गरीब, किसान,महिला,युवा सभी के हित में योजनाएं शुरू कर उसका लाभ दिया। जो भारत का हितैषी है वो मोदी जी के साथ है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने कभी देश के बारे में नहीं सोचा । इनके लिए परिवार पार्टी और पार्टी ही देश है। आज दो ही लोग पाकिस्तान की तारीफ करते हैं एक राहुल गांधी और दूसरे ओवैसी । कश्मीर से धारा 370 हटी तो राहुल और अवैसी को सबसे ज्यादा पीड़ा हुई।

जम्मू कश्मीर में सेब की खरीद को सरकार की मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत वर्ष 2020..21 में जम्मू कश्मीर में सेब की खरीद करने का निर्णय किया है। यह खरीद पिछले साल की शर्तों पर ही की जायेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुयी केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) राज्य एजेंसियों के सहयोग से सेब की खरीद करेगा । किसानों को उनके बैंक खातों में सेब मूल्य का हस्तान्तरण किया जायेगा। करीब 12 लाख टन सेब की खरीद इस योजना के तहत किया जा सकता है। सरकार ने नेफेड को 2500 करोड़ रुपये के गारंटी कोष का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। यदि कोई नुकसान होता है तो केन्द्र और केन्द्र शासित प्रदेश आधी आधी राशि का वहन करेगा। स्थानीय प्रशासन मंडियों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायेगा और खरीद प्रणाली की लगातार निगरानी की जायेगी।

पाक के एफएटीएफ की 'ग्रे' सूची से निकलने की उम्मीद नहीं: रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की 'ग्रे' सूची में संभवतः बना रहेगा क्योंकि वह एफएटीएफ की कार्य योजना के 27 लक्ष्यों में से छह का अनुपालन करने में असफल रहा है। यह दावा बुधवार को मीडिया में प्रकाशित खबरों में किया गया। उल्लेखनीय है कि आतंकवाद के वित्तपोषण और धन शोधन को रोकने एवं निगरानी करने वाली पेरिस से संचालित संस्था की 21 से 23 अक्तूबर के बीच डिजिटल माध्यम से वार्षिक बैठक होगी, जिसमें 27 बिंदुओं की कार्य योजना की समीक्षा की जाएगी। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को जून 2018 में 'ग्रे' सूची में डाला था और इस्लामाबाद को धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने की 27 बिंदुओं की कार्य योजना को वर्ष 2019 के अंत तक लागू करने को कहा था। कोविड महामारी की वजह से इस मियाद में वृद्धि कर दी गई। राजनयिक सूत्रों के हवाले से पाकिस्तानी अखबार 'दि एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने लिखा, देश अगले साल जून तक एफएटीएफ की ग्रे सूची से बाहर निकलने में सफल होगा। खबर के मुताबिक पाकिस्तान संभवतः एफएटीएफ की ग्रे सूची से नहीं निकल पाएगा लेकिन वह काली सूची में जाने से बच गया है। मीडिया के मुताबिक पाकिस्तान कानूनी औपचारिकताओं को पूरा कर चुका है और उसने निगरानीकर्ता को सूचित किया है कि कार्य योजना के 21 बिंदुओं को उसने लागू कर दिया है।

भाजपा-जदयू की जोड़ी सचिन सहवाग की तरह: राजनाथ

पटना, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भोजपुर जिले के बड़हरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और जदयू की जोड़ी सचिन-सहवाग की तरह सलामी जोड़ी है, इसलिए इस जोड़ी को खारिज मत कीजिए। उन्होंने कहा कि आप ये कह सकते हैं कि नीतीश कुमार ने, सुशील मोदी ने ये काम किया, ये नहीं किया। लेकिन कोई नहीं कह सकता कि उनपर भ्रष्टाचार का कोई दाग लगा है। वहीं पटना के एक रैली में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता था तो कांग्रेस नेतृत्व की तरफ से बयान आता था कि हम पाकिस्तान को कुछ नहीं करेंगे क्योंकि वह हमारे ऊपर परमाणु बम से हमला कर देगा। अब पाक पीएम दुनिया भर में भाग रहे हैं कि कहीं भारतीय जवान फिर से न सर्जिकल स्ट्राइक कर दे। उन्होंने कहा कि देश को टुकड़ों में तोड़ने के इरादे से भारत के

प्रमुख संस्थानों में नारे लगाने वालों को राजद-कांग्रेस द्वारा समर्थन देना, भारतीय राजनीति के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता है। वे फिर से आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद और अलगाववाद फैलाने का इरादा रखते हैं। योगी ने कहा कि बिहार की आज एक जिम्मेदारी है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में आपने कुछ हद तक कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीती है। लेकिन राजद और कांग्रेस सीपीआई और सीपीआई (एम-एल) को एक नए कोरोना के रूप में आपके बीच लाना चाहते हैं और ये इस वायरस से भी अधिक खतरनाक हैं।

राहुल का पीएम मोदी पर तंज, कहा

देश को संबोधित करते हुए चीन पर नहीं बोला एक भी शब्द

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद राहुल गांधी चीन मसले पर लगातार प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साध रहे हैं। राहुल वर्तमान में अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के दौरे पर हैं। इस दौरान राहुल ने मंगलवार शाम पीएम मोदी के देश के संबोधन को लेकर कहा कि वह चीन का नाम लेने से डर रहे हैं। मंगलवार को पीएम ने अपने संबोधन में चीन पर एक भी बयान नहीं दिया। वायनाड सांसद राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री चीन का नाम नहीं ले रहे हैं क्योंकि वो नहीं चाहते कि देश के लोगों का ध्यान इस पर जाए कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। चीन ने हमारी 1200 स्क्वायर किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया है। पीएम के पास भारत माता की जमीन पर कहने के

लिए एक भी शब्द क्यों नहीं है। गौरतलब है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से पहले राहुल ने कहा था, मैं प्रधानमंत्री से सुनना चाहूंगा कि चीन भारतीय क्षेत्र को कब छोड़ेगा। लेकिन मैं आपको इस बात की गारंटी देता हूं कि प्रधानमंत्री में ये बताने की हिम्मत नहीं होगी। प्रधानमंत्री चीन के बारे में एक शब्द नहीं बोलेंगे। इससे पहले, राहुल ने कृषि कानूनों के विरोध में आयोजित रैली के दौरान कहा था कि यूपीए सरकार में आज की मोदी सरकार के कार्यकाल की तरह चीन की इतनी हिम्मत नहीं हुई कि वह भारत की जमीन पर चार महीने तक 1200 किलोमीटर अंदर आकर बैठ जाए।

गोरखपुर के वन माफिया जैसराम की 1,89 करोड़ की संपत्ति कुर्क,गैंग में शामिल भतीजे की बोलेरो भी कुर्क

वन माफिया जैसराम निषाद का मकान कुर्क करने पहुंची राजस्व विभाग की टीम।

गोरखपुर/चर्चित बन माफिया जैसराम निषाद की 1,89 करोड़ की संपत्ति कैंपियरगंज तहसील दार के नेतृत्व में पहुंची राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमली कुर्क कर ली। साथ ही उसके रिहायशी मकान को भी सील कर दिया गया। मौके पर वन माफिया की दो गाड़ी नहीं मिली। उसके परिजनों ने उसे भी पुलिस के हवाले कर देने का भरोसा दिया है। गैंगेस्टर अधिनियम के तहत उसके विरुद्ध कुर्की की कार्रवाई की गई है। माफिया के गैंग में शामिल उसके चचेरे भाई की बोलेरो गाड़ी भी जप्त की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के मूसाबार,बुढलिया टोला निवासी जैसराम के विरुद्ध कैंपियरगंज और फरेंदा जंगल से बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटान कराने के आरोप में कई मुकदमे दर्ज हैं। इस आधार पर वन विभाग ने उसे माफिया घोषित कर रखा है। मूसा बार निवासी मनोज उसकी गैंग के सक्रिय सदस्य के रूप में चिह्नित हैं। वन विभाग की सिफारिश पर पुलिस ने काफी पहले जैसराम के विरुद्ध गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। साथ ही उसकी संपत चिन्हित कर उसे जप्त करने के लिए जिला अधिकारी गोरखपुर को रिपोर्ट भेज दी थी। 15 अक्टूबर 2020 को जिलाधिकारी ने माफिया की संपत्ति कुर्क कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया था।

राजस्व की टीम और कैंपियरगंज तथा पीपीगंज थाने की पुलिस के साथ कैंपियरगंज तहसीलदार शशि भूषण पाठक ने बुढलिया टोला पहुंच कर वन माफिया के रिहायशी मकान को सील कर दिया। उसकी 405और212 हेक्टेयर जमीन भी जब्त कर ली। उसकी स्कॉर्पियो तथा बोलेरो गाड़ी भी जब्त की जानी थी, लेकिन कार्रवाई के दौरान दोनों गाड़ियां नहीं मिली। बन माफिया ने जमीन और गाड़ी दो पत्नियों निर्मला देवी और सत्यभामा के नाम से खरीद रखी थी। प्रभागीय वनाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि बहुत जल्द दूसरे वन माफिया की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। गोरखपुर वन प्रभाग के महाराजगंज और गोरखपुर जिले में 16बन माफिया चिंतित है।

पुलिस एसएसबी की संयुक्त टीम ने नेपाली युवक के पास से बरामद किया 1 किलो 410 ग्राम चरस

सोनौली कोतवाली पुलिस व एसएसबी टीम ने गश्त के दौरान श्याम काट पुल के पास मुखबिर की सूचना पर एक नेपाली युवक के पास से नशीला पदार्थ बरामद किया है बताते चले की पुलिस और एसएसबी जवान गश्त कर रहे थे कि जवानों को गस्त करते देख एक संदिग्ध युवक नेपाल की तरफ भागने लगा जिसे एसएसबी के जवान सहित उप निरीक्षक प्रशांत कुमार पाठक कांस्टेबल दुर्गेश उपाध्याय कांस्टेबल हृदयाराम यादव ने दौड़ाकर पकड़ लिया पकड़े गए युवक की पहचान जोगिंदर यादव उम्र 30 वर्ष नवल परासी नेपाल के रूप में हुई है जिसके पास से पुलिस ने 1 किलो 410 ग्राम चरस बरामद किया है फिर युवक को पुलिस ने सोनौली कोतवाली लाई और अग्रिम कार्यवाही कर जेल भेज दिया

दशरथ समाधि स्थल पर आरती का हुवा भव्य आयोजन

अयोध्या। दशरथ समाधि स्थल पर श्रीराम वल्लभाकुंज जानकीघाट अयोध्या मंदिर के अधिकारी महंत राजकुमार दास महराज ने दशरथ समाधि स्थल के महंत पं0 दिलीपदास जी महाराज के उत्तराधिकारी महंत संदीपदास सहित साधू-संत महंत के गरिमामयी उपस्थिति में आजीवन चलने वाले सीताराम नाम धुन संकीर्तन अनुष्ठान का शुभारंभ महाआरती करके किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के शुभारंभ अवसर पर कोशिला भवन महंत पं0 यादेश्वर दत्त मिश्र , कथावाचक आचार्य स्वामी विवेकानंन्द , वरिष्ठ पत्रकार बिपिन सिंह सूर्यवंशी देवगढ़ , पत्रकार वासुदेव यादव, वरिष्ठपत्रकार चन्द्रशेखर सिंह , पं0 रवीन्द्र नाथ पाण्डेय , महंत रामदास रामायणी सहित अनेक रामभक्तों ने मुख्य अतिथी महंत राज कुमार दास जी का पुष्पाहार एवं अंग वस्त्र पहना कर यादगार स्वागत किया।

प्राइवेट अस्पतालों पर नजर रखेंगे: नोडल अधिकारी

गोरखपुर/मंडलायुक्त जयंत नार्लिकर ने कहा कि मरीजों का शोषण और गलत इलाज करने वाले निजी अस्पतालों की निगरानी जरूरी है। 10 निजी अस्पतालों पर एक नोडल अधिकारी बनाकर जांच कराई जाए। कमी मिलने पर कार्रवाई की जाए। मंडलायुक्त यहां पर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना की जांच के लिए रोजाना छह हजार नमूने एकत्र किए जाएं। बाबा राघव दास मेडिकल कालेज में 24 घंटे नमूने लेने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने ब्रह्मपुर के प्रभारी चिकित्साधिकारी को जांच बढ़ाने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खून की जांच के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों के नमूने लिए जाएं। लक्षण वाले कोरोना संक्रमित मरीजों को कोविड अस्पतालों में भर्ती कराएं। ऐसे व्यक्तियों की सूची संबंधित एसडीएम को दें। इस दौरान डीएम के. विजयेंद्र पाण्डियन, सीडीओ इंद्रजीत सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल, डा.गणेश कुमार, डा.श्रीकांत तिवारी आदि मौजूद रहे।डीएम के. विजयेंद्र पाण्डियन ने दुकानदारों से अपील की है कि वह अपने प्रतिष्ठानों पर कोरोना से बचाव की जानकारी देने वाली सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पब्लिक एड्रेस सिस्टम) लगाएं। आठ से 10 छोटे दुकानदार मिलकर इस प्रणाली को लगवा सकते हैं। होटल, माल, बिग बाजार, मार्ट, धर्मशाला के मालिक, निजी व सरकारी कार्यालयों, प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों और सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर कोरोना से बचाव की जानकारी देने वाले संदेश का प्रसारण सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक कराएं। ध्वनि की सीमा 75 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए।

गोरखनाथ थाने का हिस्ट्रीशीटर और शातिर चोर आया पुलिस की गिरफ्त में

■ चोरी के समान के साथ शातिर चोर को पुलिस ने पकड़ने में पाई बड़ी सफलता

■ गोरखनाथ थाना प्रभारी रामाज्ञा सिंह की तत्परता से मुकदमा दर्ज होने के कुछ ही घंटे में शातिर चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार के दिशा निर्देश के द्वारा चलाये जा रहे। अभियान में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर डॉ कौशतुभ के निर्देश और क्षेत्राधिकारी रत्नेश सिंह के पर्वेक्षण में गोरखनाथ थाना प्रभारी रामाज्ञा सिंह के नेतृत्व में गोरखनाथ पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी गोरखनाथ थाने का हिस्ट्रीशीटर और शातिर चोर सोनू उर्फ नूर मोहम्मद पुत्र नईमुल्लाह निवासी मिर्जापुर पचपेड़वा थाना गोरखनाथ को पुलिस ने गिरफ्तार करने में पाई सफलता। सोनू उर्फ नूर मोहम्मद जो एक चोर के साथ साथ थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। इसके ऊपर गोरखनाथ थाने में 8 मुकद मे दर्ज है। गोरखनाथ थाने में 986/2020 धारा 411 के अंर्तगत मुकदमा दर्ज था, गोरखनाथ पुलिस को इसकी बड़े दिन से तलाश थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इसको गिरफ्तार किया इसके कब्जे से चोरी की गई दो मोबाइल के साथ साथ दो अन्य मोबाइल फोन भी बरामद किया है जिसके संबंध में गोरखनाथ थाने में मुकदमा भी पंजीकृत किया गया था7 गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक गजेंद्र बहादुर सिंह, कास्टेबल उमेश प्रसाद, कॉन्स्टेबल महेंद्र प्रताप सिंह शामिल रहे।

पुलिस और एसएसबी को मिली बड़ी कामयाबी 80 बोरा कनाडियन मटर के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

महराजगंज! सोनौली थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी भगवानपुर व बी वो पी कैम्प भगवानपुर में तस्करी की सूचना तो डेली मिलती थी लेकिन आज भोर में करीब 1ः30 मिनट के आस पास में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान बी वो पी कैम्प भगवानपुर के पश्चिम पिलर संख्या 516/22 रघुनाथपुर की तरफ से एक पिकअप आते दिखाई दिया जिसको पुलिस व एसएसबी जवानों ने रोक कर तलासी लिया जिसमे रख कर तस्करी के लिए ले जा रहा 80 बोरा कनाडियन मटर व पिकअप नंबर यूपी56टी2104 व चालक को पकड़ लिया आपको बताते चले कि गस्त के दौरान घात लगाए बैठे जवानों ने गाड़ी को आते देख उसको रोक कर चेक किए जिसमे अवैद्य रूप से ले जा रहा 80 बोरा कनाडियन मटर चेकिंग के दौरान पकड़ लिया गया पकड़े गए टीम चौकी प्रभारी स्वतंत्र कुमार सिंह कांस्टेबल रामानंद इस्तिखार व एस एस बी बटालियन के उश्निश्सामू सरदार ॥ष्टमहेंद्र यादव मनोज कुमार सूरज कुमार रघुनाथपुर कच्चे रास्ते पर पिकअप को पकड़ी गई गाड़ी व गाड़ी चालक को पुलिस व एस एस बी जवानों ने अपने चौकी ले आए वही उससे पूछ ताछ में अभियुक्त चालक उसने अपना नाम सूरज पुत्र मनोज कुमार उम्र 24 निवासी हथियाहवा थाना नौतनवां बताया व दूसरे ने अपना नाम भगवानदास पुत्र रामचंदर निवासी जगरनाथ पुर थाना कोतवाली सोनौली बताया।

टेलर की गाड़ी के चपेट में आ जाने से युवा व्यापारी की मौके पर ही मौत

गोरखपुर/ पीपीगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को करीब सुबह 6 बजे भाई के साथ पीपीगंज के भगवान पुर मंण्डी करने जा रहे। नव युवक व्यापारी की ट्रेलर की चपेट में आजाने से मौके पर ही मौत हो गई।जबकि ट्रेलर चालक गाड़ी छोड़ फरार हो गया।वही मौके पर काफी देर बाद पीपीगंज पुलिस पहुंची। मिली जानकारी के अनुसार पीपीगंज नगर पंचायत वाई नम्बर 7 का निवासी नौवमी नाथ उम्र 16 वर्षीय पुत्र राजू अपनें भाई के साथ भगवानपुर मण्डी करनें जा रहा था। जैसे ही पीपीगंज पुलिस बुथ के पास पहुंचा ही था कि लोड़ ट्रेलर गाड़ी के चपेट में आ गया।जिससे मौके पर ही युवा व्यापारी की मौत हो गयी प्रत्यक्ष दर्शियो ने बताया कि ट्रेलर गोरखपुर से सोनौली की तरफ जा रही थी।घटना के बाद चालक गाड़ी छोड़ फरार हो गया।वही काफी देर बाद मौके पर पुलिस पहुंची जिससे लोगो में काफी आक्रोश था।वही कुछ देर बाद पीपीगंज पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेंज दिया गया है। टेलर गाड़ी को पुलिस अपने कब्जे में लेकर थानें लाकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष पीपीगंज राजेन्द्र मिश्र नें बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अनशन वाले बाबा परमहंसदास को प्रशासन ने जिला अस्पताल में करवाया भर्ती

अयोध्या । आखिर हुआ वही, जिसके कयास पहले से ही लगाए जा रहे थे। मध्यरात्रि में जिला प्रशासन ने अनशनकारी महंत को उठवाकर जिला अस्पताल में शांति पूर्वक भर्ती करवाया दिया। जहा उनकी हालत अब ठीक है।

इससे उनके समर्थकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर आमरण-अनशन पर बैठे आचार्य पीठ तपस्वी छावनी के महंत परमहंस दास को प्रशासन ने उठा लिया। वह 12 अक्टूबर से अपने आश्रम के सामने अन्न-जल का त्यागकर अनशन पर थे। गत मंगलवार की रात्रि को उनके आमरण-अनशन का 9वां दिन रहा। इस दौरान अनशनरत महंत का वजन 9 किलो घट गया था, जिसके कारण उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही थी। जिला के वरिष्ट चिकित्सकों ने भी हिदायत दे दिया था कि अनशन से महंत का स्वास्थ्य गिर रहा है। अगर ऐसा रहा तो उनके प्राण संकट में पड़ सकते हैं, जिसके कारण जिला प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा। मंगलवार रात्रि लगभग 11 बजे रेजीडेंट मजिस्ट्रेट के डी शर्मा, अयोध्या सीओ राजेश राय और कोतवाल आशुतोष मिश्रा दल-बल के साथ तपस्वी छावनी आश्रम पहुंचे। जहां आमरण-अनशन कर रहे महंत परमहंस दास को उनकी सहमति से ही एम्बुलेंस में लदवाकर जिला हास्पिटल भिजवाया। वहां डॉक्टरों की देख-रेख में अनशनकारी महंत का इलाज चल रहा है। हालांकि परमहंस का आमरण-अनशन अस्पताल में भी जारी है। उन्होंने स्वेच्छा से अभी तक कुछ भी खाया-पिया नही है। साथ ही अनशनरत महंत के समर्थन में धरने पर बैठी विश्व हिंदू रक्षा संगठन की उपाध्यक्ष अर्चना सिंह व प्रदेश अध्यक्ष सनातनी संतोष दूबे को प्रशासन ने कहीं अन्यत्र भिजवा दिया और अनशन स्थल पर पुलिस की तैनाती की गई है। ताकि वहां पर अन्य कोई व्यक्ति धरने या अनशन पर न बैठने पाए। वहीं महंत परमहंस दास का कहना है कि भले ही प्रशासन मुझे जिला हास्पिटल में लाकर भर्ती करा दिया हो। लेकिन मेरा अनशन अनवरत जारी है। मैंने स्वेच्छा से कुछ खाया-पिया नही है। जब तक कोई डीएम अनुज झा या केंद्रीय मंत्री आकर ठोस आश्वासन नही देता है। तब तक आमरण-अनशन यूं ही चलता रहेगा। चाहे मेरे प्राण ही क्यों चल जाएं? जीवन की अंतिम सांस तक मैं हिंदू राष्ट्र के लिए लड़ता रहूंगा। उन्होंने कहाकि भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना अति आवश्यक है। यदि हिंदू राष्ट्र घोषित नही किया गया। तो हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान का आस्तित्व कुछ ही वर्षो में मिट जायेगा। मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है कि वह भारत को हिंदू राष्ट्र अवश्य घोषित करायेंगे। क्योंकि उन्होंने राष्ट्र के लिए कई सराहनीय कार्य किए हैं। चाहे वह राममंदिर का ऐतिहासिक फैसला, ट्रिपल तलाक हो या सेना को मजबूती प्रदान करना। सभी में वह खरे उतरे हैं।

जिला प्रशासन ने कूड़ाघाट क्षेत्र में चलाया अतिक्रमण अभियान

गोरखपुर/तहसीलदार सदर डॉक्टर संजीव दिक्षित के नेतृत्व में कूड़ाघाट क्षेत्र में जिला प्रशासन की टीम व पुलिस के साथ सड़क पर अतिक्रमण किए हुए लोगों को खाली कराया गया। कार्रवाई के दौरान जिला प्रशासन और अतिक्रमणकारियों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई अतिक्रमण दस्ते में जेसीबी बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तहसील के लेखपाल व अमीन भी मौजूद रहे। कार्रवाई के दौरान कानूनगो प्रदुमन सिंह लेखपाल आशुतोष दिवेदी मुन्ना विनय उमेश तिवारी बृजेश अमीन जोगिंदर चौबे भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि सीवर पाइप लाइन को बिछाने के लिए अतिक्रमण को खाली कराया गया है जो गुरुंग तिराहा से महादेव झारखंडी तक अभियान चलाया गया।

शहीद जवानों के सम्मान में पुलिस महानिरीक्षक ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बस्ती। बुधवार 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर रिजर्व पुलिस लाइन बस्ती के शहीद स्मारक स्थल पर शहीद जवानों के सम्मान में पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र अनिल राय व पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना द्वारा शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया तथा उनके योगदानों को याद किया गया । इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक रवीन्द्र कुमार सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारीगण व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा भी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

हमारी सरकार ने किसी के साथ बिना भेदभाव किये केवल विकास कार्य किया:महेंद्र पाल सिंह

गोरखपुर/ पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के चरगावा मंडल में भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियां विषय पर विस्तृत चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह की उपस्थिति में पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि विगत बीस वर्षों से जो नहीं हुआ वह तीन वर्ष में हुआ। सरकार की पहली बैठक में ही पिपराइच एवं मुडेरवा चीनी मिल की स्थापना करके यह सिद्ध कर दिया कि सरकार लोक कल्याण हेतु सिक्सर मारेगी जो निरंतर चल रहा है। बिना किसी के सहयोग के किसान कर्जमाफी, विद्युत आपूर्ति, सड़कों का जाल, प्राथमिक विद्यालय की सुदृढ़ व्यवस्था,शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य लोक कल्याण हेतु सरकार निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष जनार्दन तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी के एम मझवार, विधायक प्रतिनिधि अरविंद सिंह, चंद्रभूषण मिश्रा, जिला मंत्री नरेंद्र सिंह, रामानंद यादव, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा उर्मिला त्रिपाठी, महामंत्री चंचला शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य राम भोग सिह, मंडल अध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष अनिल चौहान, मुनीब चौहान, संत गुलाब यादव, चंद्रभान चौहान, राम उग्रह चौहान, केशव सहानी, सुरेंद्र निषाद, विजय सिंह, संगम सिंह, गुड्डू सिंह, बालेदु मिश्रा सहित कई सेक्टर प्रमुख बूथ अध्यक्ष व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हमारी सरकार ने किसी के साथ बिना भेदभाव किये केवल विकास कार्य किया: महेंद्र पाल सिंह

गोरखपुर/ पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के चरगावा मंडल में भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में सरकार की उपलब्धियां विषय पर विस्तृत चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह की उपस्थिति में पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि विगत बीस वर्षों से जो नहीं हुआ वह तीन वर्ष में हुआ। सरकार की पहली बैठक में ही पिपराइच एवं मुडेरवा चीनी मिल की स्थापना करके यह सिद्ध कर दिया कि सरकार लोक कल्याण हेतु सिक्सर मारेगी जो निरंतर चल रहा है। बिना किसी के सहयोग के किसान कर्जमाफी, विद्युत आपूर्ति, सड़कों का जाल, प्राथमिक विद्यालय की सुदृढ़ व्यवस्था,शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य लोक कल्याण हेतु सरकार निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष जनार्दन तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी के एम मझवार, विधायक प्रतिनिधि अरविंद सिंह, चंद्रभूषण मिश्रा, जिला मंत्री नरेंद्र सिंह, रामानंद यादव, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा उर्मिला त्रिपाठी, महामंत्री चंचला शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य राम भोग सिह, मंडल अध्यक्ष दयाशंकर मिश्रा, मंडल उपाध्यक्ष अनिल चौहान, मुनीब चौहान, संत गुलाब यादव, चंद्रभान चौहान, राम उग्रह चौहान, केशव सहानी, सुरेंद्र निषाद, विजय सिंह, संगम सिंह, गुड्डू सिंह, बालेदु मिश्रा सहित कई सेक्टर प्रमुख बूथ अध्यक्ष व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नारी शक्ति का अभियान तेज स्कूल चौराहा पुलिस चौकी और गाँवो में जाकर पुलिस कर रही जागरूक

उत्तर प्रदेश मे महिलाओ ओर बालिकाओ की सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार ने कमर कस ली है, उत्तर प्रदेश सरकार ने मिशन नारी शक्ति के नाम से अभियान चलाना शुरू कर दिया है, आपको बता दे महराजगंज मे जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देशन बाद महराजगंज मे सभी पुलिस चौकियो, सार्वजनिक जगहो, स्कूल कॉलेज कस्बो और ग्रामीण इलाको मे भारी पुलिस फोर्स महिला सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चला रही है। ताकि महिलाओ की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके, इसी के तहत आज महराजगंज जनपद के नौतनवा कस्बे चौराहे पर नौतनवा ष्टह्र अजय सिंह चौहान थाना अध्यक्ष रामचंद्र राम उप निरीक्षक गौरव यादव संजय कुमार साही व कांस्टेबल महिला कांस्टेबल किस्मती देवी सभासद जलीमुननिशा अन्य महिला के नेत्रत्व मे महिला पुलिस कर्मीयो, एंटी रोमियो टीम सहित पुलिस फोर्स ने महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभीयान चलाया।

ग्लोबल बर्डन ऑफडीजीस ने जारी की 2019 की वैश्विक रिपोर्ट

भारत विश्व का सबसे अधिक प्रदूषित देश

जीबीडी रिपोर्ट का दावा, भारत की 100 प्रतिशत आबादी प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर

लखनऊ, संवाददाता। वायु प्रदूषण के आंकड़ों और तथ्यों के साथ ग्लोबल बर्डन ऑफ डीजीस के वैश्विक रिपोर्ट आज दुनिया भर में एक साथ जारी की गयी. वर्ष 2019 के अध्ययन के आधार पर जारी की गयी इस रिपोर्ट में दुनिया भर के 116 देशों में लगे 10 हजार 4 सौ 8 वायु प्रदूषण मापन इकाईयों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस रिपोर्ट का संकलन और प्रकाशन किया गया है. इस रिपोर्ट के आधार पर भारत विश्व में प्रदूषित देशों के पायदान में पहले नंबर पर पाया गया, जहां देश की सम्पूर्ण आबादी वायु प्रदूषण के चपेट में जीवन जीने को बाध्य है,ज्ञात हो कि जीबीडी की यह वार्षिक वैश्विक रिपोर्ट हेल्थ इफेक्ट इंस्टिट्यूट और इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवलुएशन द्वारा हर वर्ष साझे रूप से जारी की जाती है. सौ से अधिक देशों में वर्ष भर मिले वायु गुणवत्ता के आंकड़ों के आधार पर जारी होने वाली यह रिपोर्ट तथ्यात्मक और भरोसेमंद मानी जाती है,इस रिपोर्ट में दिए गए तथ्यों के बारे में विस्तार से बताते हुए क्लाइमेट एजेंडा की निदेशक एकता शेखर ने बताया भारत में पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण का स्तर निरंतर बढ़ता जा रहा है, जीबीडी की यह ताजा तरीन रिपोर्ट भी बताती है कि देश में वायु प्रदूषण का प्रति व्यक्ति औसत 6.5 माइक्रोग्राम बढ़ा है, और विश्व के 116 देशों की तुलना में सबसे ज्यादा बढ कर 83 माइक्रोग्राम प्रति व्यक्ति तक पहुँच चुका है, जिसे भारत सरकार के मानकों के अनुसार अधिकतम 60 माइक्रोग्राम तक होना चाहिये था. यह आंकड़े बताते है कि भारत की सौ प्रतिशत आबादी भारत सरकार के मानकों के आधार पर भी, और विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के आधार पर भी, प्रदूषित हवा में सांस लेने के मजबूर हो चुकी है. इस रिपोर्ट में यह बताया गया है कि अफ्रीका और एशिया महाद्वीप के राष्ट्रों में वायु प्रदूषण का सबसे ज्यादा संकट है, जिसमे भारत, नेपाल, नाइजर, कतर, नाइजीरिया, इजिप्ट शीर्ष 6 प्रदूषित देश हैं, जबकि बांग्लादेश और पाकिस्तान को क्रमशः नौवां और दसवां स्थान मिला है.÷वायु प्रदूषण जनित बीमारियों और उनसे होने वाली मौतों के आंकड़ों के बारे में रिपोर्ट के हवाले से एकता शेखर ने बताया ÷अफ्रीका और एशिया के देशों में खराब हवा के कारण वर्ष 2019 में 5 लाख से अधिक नवजात बच्चों की मौत अपने जन्म से एक माह के भीतर हो गयी. एक माह की उम्र पूरा करने से पहले ही वायु प्रदूषण जनित बीमारियों से वर्ष 2019 में अकेले भारत में ही एक लाख से अधिक बच्चों की मौत हुई. पुरी दुनिया में इन बीमारियों से कूल 67 लाख मौते हुईं, जिन्हें वायु प्रदूषण का स्तर कम कर के बचाया जा सकता था. रिपोर्ट के अनुसार, भारत में असमय ध् अकाल मौतों का सबसे बड़ा कारण अब वायु प्रदूषण जनित बीमारियाँ ही हैं. रिपोर्ट यह भी बताती है कि वायु प्रदूषण से पहले से ही कमजोर हो चुके भारतीय जनता के फेफड़े पर कोविड 19 का गहरा असर पड़ने की आशंका है।

राज्यसभा चुनाव के लिए राम गोपाल यादव ने कराया नामांकन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। जारी बयान में बताया गया है कि पार्टी राज्यसभा की 10 सीटों में एक सीट के लिए अपने प्रत्याशी मैदान में उतार रही है। इसके लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर राम गोपाल यादव ने आज अपना नामांकन करवाया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम, महबूब अली सहित तमाम नेता कार्यालय में मौजूद रहे। बता दें कि उत्तर प्रदेश में इस बार राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो रही हैं। जिसके लिए सभी पार्टियाँ अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रही हैं। इसी क्रम में सपा ने भी अपने उम्मीदवार की घोषणा की है। बता दें कि राज्यसभा की एक सीट के जीतने के लिए 28 विधायक की जरूरत पड़ती है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के पास एक सीट जीतने का मौका है। बाकी सीटे भाजपा आसानी से जीत सकती है।

30 अक्टूबर तक मजिस्ट्रीरियल जांच में साक्ष्य प्रस्तुत करायें

लखनऊ, संवाददाता। अपर नगर मैजिस्ट्रेट (तृतीय) लखनऊ देवेन्द्र कुमार ने सूचित किया कि 08.07.2020 को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मोहान रोड लखनऊ में निरूद्ध एक संवासी गौतम कुमार पुत्र ताला निवासी-ग्राम सरम्मा थाना आसीवन उन्नाव जो मु0अ0स0-285ध्19 अ0धारा-376 भा0द0स0, 5ध्6 पॉक्सो एक्ट थाना माखी उन्नाव के क्रम में किशोर न्याय बोर्ड उन्नाव के आदेश के अनुपालन राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) मोहान रोड लखनऊ में प्रवेशित किया गया था। संस्था में निरूद्ध अपचारी किशोर गौतम कुमार पुत्र श्री लाला की तबीयत खराब होने के कारण किशोर को रानी लक्ष्मी बाई चिकित्सालय भेजा गया जहां से किंग जार्ज चिकित्सा विश्व विद्यालय लखनऊ के लिए रेफर किया गया था जहां उपचार के दौरान दिनांक 08.07.2020 को ही किशोर का देहांत हो गया था। उक्त प्रकरण की जांच के सम्बन्ध में जिला मैजिस्ट्रेट महोदय के आदेश दिनांक 08.07.2020 द्वारा जांच अधिकारी के रूप में अपर नगर मैजिस्ट्रेट(तृतीय) लखनऊ को नामित किया गया है। अपर नगर मैजिस्ट्रेट(तृतीय) लखनऊ देवेन्द्र कुमार ने मैजिस्ट्रीरियल जांच के सम्बन्ध में सर्वसाधारण को सूचित किया है कि जिस किसी को किसी भी तरह की कोई जानकारी देना हो अथवा किसी भी तरह का मौखिक, लिखित साक्ष्य, बयान देना हो तो वह दिनांक 30.10.2020 के पूर्व अपर नगर मैजिस्ट्रेट लखनऊ के न्यायालय कक्ष संख्या-25 कलेक्ट्रेट लखनऊ में किसी भी कार्य दिवस में (सार्वजनिक अवकाश छोड़कर) कार्यालय समय में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

आंगनबाड़ी एवं विद्यालयों में जल आपूर्ति प्रदान किए जाने पर विशेष ध्यान केंद्रित

लखनऊ, संवाददाता। जिला पंचायत राज अधिकारी लखनऊ ने बताया कि मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा वेबीनॉर के माध्यम से प्रदेश में निर्मित,निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालय एवं पंचायत भवनों का ई-लोकार्पण व ई-लोकार्पण शिलान्यास किया गया। जनपद लखनऊ के अंतर्गत कुल 152 ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों का ई-लोकार्पण व 343 ग्राम पंचायतों में निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालय का ई-शिलान्यास किया गया उक्त के अतिरिक्त वित्त आयोग के धनराशि एवं मनरेगा के माध्यम से निर्मित 14 पंचायत भवनों का ई-लोकार्पण एवं 75 ग्राम पंचायतों में निर्माणाधीन पंचायत भवनों का ई-शिलान्यास किया गया। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रदेश के सभी जनपदों द्वारा योजना के समयबद्ध एवं उत्कृष्ट कार्य करने पर मुख्यमंत्री द्वारा सराहना की गई मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के कुछ चिन्हित जनपदों के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व ग्राम प्रधानों से वार्ता भी की गई जल शक्ति मंत्री भारत सरकार द्वारा यह अवगत कराया गया कि अगले चरण में आंगनबाड़ी एवं विद्यालयों में जल आपूर्ति प्रदान किए जाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की दिशा में रेलवे लखनऊ मंडल तत्पर

लखनऊ, संवाददाता। खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं को देश के सुदूर क्षेत्रों में यथासमय आपूर्ति की दिशा में निरंतर प्रयासरत लखनऊ मंडल द्वारा एक उल्लेखनीय प्रयास करते हुए गत दिवस पूर्वोत्तर क्षेत्र के न्यू गुवाहाटी स्टेशन हेतु मंडल के मोहनलालगंज स्टेशन से 62 टन चावल का लदान करके सफलतापूर्वक रवाना किया गया, रेलवे की इस व्यवस्था के द्वारा अनाज एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं पर सड़क परिवहन की तुलना में ढुलाई पर होने वाले व्यय में 60 प्रतिशत की कमी आयेगी एवं ढुलाई में लगने वाले समय में बचेगा साथ ही वस्तुओं एवं अनाज इत्यादि को समयानुसार अधिक सुरक्षा के साथ देश के सुदूर क्षेत्रों में उचित समय सीमा में उपलब्ध कराना संभव हो सकेगा ⁄इस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट का गठन भी किया गया है जिसके द्वारा व्यापारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए उनके माल के लदान को मंडल के विभिन्न गुड्स शेड के द्वारा लदान करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है साथ ही व्यापारियों को उनकी आवश्यकतानुसार एक वैगन बुक कराने की सुविधा भी प्रदान की गयी है, मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने इस विषय में अवगत कराया कि मंडल द्वारा अनाज एवं आवश्यक वस्तुओं को देश के समस्त प्रान्तों में अल्प व्यय ,सुरक्षा एवं उचित समय के साथ आपूर्ति करने की दिशा में एक प्रभावी नीति का निर्धारण किया गया है।

देश संविधान से चलेगा, मनु स्मृति से नहीं: पी सी कुरील

लखनऊ, संवाददाता। बिहार चुनाव के सिलसिले में राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के कार्यालय में एक बैठक हुई। इस अवसर पर पी सी कुरील ने सभी सामाजिक संगठनों के साथ कहा कि हम देशवासियों को देश और संविधान की रक्षा के लिए, इन शरारती बलों को वसंत चुनावों में एक मजबूत जवाब देना होगा। उनकी हार दलितों, सिखों, ईसाइयों और मुसलमानों की जीत है। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास गवाह है कि ईसाइयों ने इस देश में शिक्षा के लिए काम किया था, और विकास का कार्य मुगलों द्वारा किया गया था, जो किसी से छिपा नहीं है। और बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने संसद में ले जाकर हम पर बहोत बड़ा अहसान किया। अगर इस देश के मुसलमान कमजोर हैं तो दलित अपने आप कमजोर हो जाएंगे और दलित एक बार फिर दोबारा गुलामी की जंजीर में जकड़े जाएंगे क्योंकि हम सभी के पास तो सिर्फ एक ही मुल्क है वह है।

मुख्यमंत्री को गुमराह करती थीं रेणुका कुमार: लोकायुक्त वाद में भवानी सिंह

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा लोकायुक्त के समक्ष प्रस्तुत परिवाद में पूर्व महिला कल्याण निदेशक भवानी सिंह ने पूर्व प्रमुख सचिव, महिला कल्याण रेणुका कुमार के खिलाफ 17 तथा 20 मार्च 2017 को लिखे अपने 03 पत्रों में लगाये गए सभी आरोपों को पूरी तरह सही बताया है,लोकायुक्त जस्टिस संजय मिश्रा को भेजे गए अपने जवाब में उन्होंने कहा है कि रेणुका कुमार ने डॉ मनीष सिंह तथा आनंदित शर्मा की निदेशालय में अनियमित ढंग से नियुक्ति करवाई थी. उन्होंने कहा कि रेणुका कुमार कई मामलों में फोन कर गलत भुगतान का दवाब बनाती थीं. सुश्री कुमार ने बिना खुली एवं पारदर्शी प्रक्रिया को अपनाये ताज होटल के नजदीक बहुमूल्य भूमि अनियमित ढंग से एक एनजीओ को दिलाये जाने में मदद की. भवानी सिंह ने कहा कि रेणुका कुमार विभाग की ओर से जानबूझ कर मुख्यमंत्री एवं उच्चस्तर पर सम्पूर्ण तथ्य तथा सारे विकल्प नहीं रखती थीं, जिसके सही निर्णय नहीं हो पाते थे,भवानी सिंह ने कहा कि उन्होंने अन्य कोई विकल्प नहीं होने की स्थिति में ही रेणुका कुमार के खिलाफ पत्र लिखा. उन्होंने कहा कि सुश्री कुमार ने वास्तविक कार्य की जगह व्यक्तिगत प्रसिद्धि हेतु दिखावटी आधुनिकता पर अधिक बल दिया था,इससे पहले सुश्री कुमार ने अपने उत्तर में श्री सिंह द्वारा लगाये गए आरोपों को गलत बताया था तथा कहा था कि श्री सिंह के असहयोगत्मक रवैये तथा विकृत मानसिकता के कारण विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में काफी कठिनाई आई थी,नूतन ने कहा कि जिस प्रकार दो वरिष्ठ अधिकारी एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि महिला कल्याण विभाग में गड़बड़ी हुई थी.,इस प्रकरण की जाँच लोकायुक्त के समक्ष प्रचलित है।

ओरा ने त्योहारों पर आकर्षक ऑफर प्रस्तुत किए

लखनऊ, संवाददाता। डायमण्ड ज्वैलरी ब्राण्ड ओरा ने दीवाली पर्व के मौके पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। इसके साथ ही ग्राहकों को ब्याज रहित ईएमआई की भी सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। इस ऑफर्स के बारे में दीपू मेहता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ओरा इंडिया ने कहा, 'लॉकडाऊन के बाद सामान्य जीवन बहाल हो रहा है। लोग त्योहारों के लिए उत्साहित हैं। दीवाली के त्योहार पर हमें अपने सभी स्टोरों में सकारात्मक प्रतिक्रिया एवं लोगों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। इन त्योहारों पर ओरा ग्राहकों को खास ऑफर दे रहा है जिनमें डायमंड ज्वेलरी पर 25 प्रतिशत की छूट, प्लेन प्लेटिनम पर 5 प्रतिशत की छूट, सोने के सिक्कों एवं बार और सिल्वर बार पर मेकिंग चार्जेस में 50 प्रतिशत की छूट, ओरा क्राउन स्टार ज्वेलरी पर 5 प्रतिशत की छूट, सॉलिटेयर्स पर एमआरपी में 1 प्रतिशत की छूट तथा पुराने गोल्ड के मूल्य पर 100 प्रतिशत एक्सचेंज एवं एडवांस पर्चेज स्कीम में नाम लिखाने पर चांदी का सिक्का मुफ्त शामिल है।

प्रियदर्शिनी योजना में अवैध रूप स्थापित कबाड़ी मार्केट को एलडीए ने कराया खाली

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकान्त द्विवेदी ने लखनऊ शहर में प्राधिकरण की सम्पत्तियों पर किये गये अवैध कब्जों को हटाने के निर्देशों का अनुपालन दिखाई पड़ रहा है। प्रियदर्शिनी योजना में अवैध रूप से स्थापित कबाड़ी मार्केट में किया गया अतिक्रमण आज भी खाली कराया गया। अवैध प्लाटिंग तथा अवैध निर्माणों को सील किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त उपाध्यक्ष ने अवैध निर्माणों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु प्रवर्तन विभाग के अधिशासी अभियन्ताओं को दिये गये सख्त निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक 21.10.2020 को विहित प्राधिकारी डी.के. सिंह द्वारा अवैध निर्माणों को सील किये जाने के आदेश पारित किये जाने पर अधिशासी अभियन्ता-प्रवर्तन, जोन-5 के.के. बंसला के नेतृत्व में सहायक अभियन्ता एस.एन. प्रसाद व अवर अभियन्ता अजय महिन्द्रा तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से सीलिंग की कार्यवाही की गयी। अशोक कुमार वर्मा व अन्य द्वारा भूखण्ड संख्या 9/413/बी, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ। आशू सिंह व अन्य द्वारा निकट शुक्ला चौराहा, नहर रोड, लखनऊ।उपरोक्त के अतिरिक्त अशोक कुमार, मो. शाहबुद्दीन व अन्य द्वारा ग्राम व पोस्ट मौदा, लखनऊ में लगभग 7 बीघा क्षेत्रफल में ऑर्चीटड नाम से अवैध रूप से प्लाटिंग तथा रो-हाउस का निर्माण किये जाने पर वाद संख्या 294/2020 योजित किया गया था। स्वीकृति मानचित्र न दिखाये जाने पर विहित प्राधिकारी-श्रीमती ऋतु सुहास द्वारा इस अवैध निर्माणों को सील किये जाने के आदेश पारित किये गये। आदेशों के अनुपालन में अधिशासी अभियन्ता-प्रवर्तन, जोन-3 के नेतृत्व में आज सीलिंग की कार्यवाही की गयी।

महिलाओं व बालिकाओं में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किये के लिए 1716 एण्टी रोमियो दल सक्रिय

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर विगत 17 अक्टूबर से चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस कार्यवाही के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इससे जहां एक ओर लोगो में कानून का डर एवं जनविश्वास में बढोत्तरी हुई है वहीं महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं करने वालो के भी हौसले पस्त हुए है। महिलाओं व बालिकाओं में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ किये जाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में 1716 ''एण्टी रोमियो दल'' सक्रिय रूप से कार्यवाही कर रहे हैं। इनके द्वारा अभियान की अवधि में विगत 20 अक्टूबर तक 24951 स्थानों पर 93638 व्यक्तियों की चेंकिग की गयी है। यू0पी0 112 द्वारा भी महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा व छेड़खानी की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। अभियान के दौरान अब तक 2692 घरेलू हिंसा एवं 410 छेड़खानी के मामलों पर यू0पी0 112 की पी0आर0वी0 पर तैनात जवानों द्वारा तत्परता से मौके पर पहुॅच कर त्वरित कार्यवाही की गयी है। वीमेन पॉवर लाइन 1090 द्वारा भी अभियान के दौरान कुल 8141 आई कॉलों पर भी त्वरित कार्यवाही करायी गयी है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुये आज यहॉ बताया है कि अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्यवाही करने वाले तीन जनपदों के नाम क्रमशः हरदोई, रायबरेली व खीरी है। उन्होंने बताया कि चेक किये गये व्यक्तियों में से 10609 लोगों से शपथ-पत्र लेकर छोड़ा गया, जिनमें से 3392 अभिभावक हैं। श्री अवस्थी ने बताया कि इसके अलावा 2847 व्यक्तियों के विरूद्ध 107ध116 द0प्र0सं0 के अन्तर्गत, 1713 व्यक्तियों के विरूद्ध 151 भा0द0सं0 के तहत, 794 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 110 जी द0प्र0सं0 के तहत, 177 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 294 द0प्र0सं0 के तहत कार्यवाही तथा 6742 व्यक्तियों के विरूद्ध अन्य कार्यवाही की गयी है। इसके अलावा 596 व्यक्तियों पर गुण्डा एक्ट में भी कार्यवाही की गयी है।

पुलिस स्मृति दिवस पर योगी ने बिकरू कांड में शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को किया सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर के बिकरू कांड में शहीद हुए सीओ समेत 8 पुलिसकर्मियों के परिवार को सम्मानित किया। इस दौरान सीएम योगी ने 9 शहीद पुलिस कर्मियों के परिवारीजन को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कानपुर के बिकरू कांड में शहीद पुलिस कर्मियों को 50 लाख के स्थान पर एक करोड़ रुपए दिए गए। सीएम योगी ने कहा कि अपराधियों में कानून का भय पैदा करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना की जंग में पुलिस की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि लखनऊ, कानपुर और गोरखपुर में महिला पुलिस के 3786 पदों का अलग से सृजन किया गया है। इस मौके पर 122 शहीदों के परिवारीजन को 26 करोड़ रुपए वितरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 20 मार्च 2017 से अब तक पुलिस मुठभेड़ में 125 कुख्यात अपराधी मारे गए और 900 से अधिक घायल हुए हैं। दुर्दांत अपराधी मारे गए या फिर जेल भेजे गए। प्रदेश में आपसी सौहार्द व्याप्त है। राज्य में हुई विभिन्न पुलिस के 13 जवान शहीद हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए नवरात्र के पहले दिन से सड़कों पर महिला पुलिस भी सक्रिय है। एंटी रोमियो स्क्वायड शोहदों को सबक सिखा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सभी जगह विशेष अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 21 थाने और नौ नई पुलिस चौकियों का निर्माण किया है। 34,217 अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हुई। उनकी संपति जब्त की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में एसटीएफकी कई और मामलों भूमिका अहम है। प्रदेश में वर्ष 2017 से अब तक कोई आतंकी घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 11 दुर्दांत अपराधी मारे, 688 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के सफल संचालन के दिशा-निर्देश जारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये दिनांक 17 अक्टूबर, 2020 से चलाये जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। उक्त जानकारी देते हुये मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये चलाये जा रहे विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों को अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिये चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जनपदों में विशेष कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाये कि सरकार अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंच सके तथा उन्हें उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के बारे में चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की पूरी जानकारी दी जा सके। इस अभियान के अंतर्गत जहां-जहां लाभार्थियों का चयन कर उन्हें लाभ प्रदान किये जाने हैं, ऐसे लाभार्थियों का चयन कर उन्हें लाभान्वित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद के विकास भवन कार्यालय तथा तहसील, विकास खण्ड कार्यालयों में एक महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाये। इस डेस्क पर शासन की महिलाओं, बालिकाओं सम्बन्धी समस्त कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करायी जाये तथा एक रजिस्टर रखा जाये, जिसमें महिलाओंध्बालिकाओं से सम्बन्धित कार्यक्रमों का लाभ उठाने की इच्छुक महिलाओं,बालिकाओं का विवरण दर्ज किया जाये तथा उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु फार्म इत्यादि भरवाकर सम्बन्धित विभाग को भेजा जाये तथा विवरण कम्प्यूटराइज्ड कराकर अनुश्रवण किया जाये। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु उनकी अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है। इस समिति में सम्बन्धित समस्त विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव सदस्य रहेंगे तथा कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग संयोजक एवं अपर मुख्य सचिव महिला एवं बाल कल्याण विभाग सह-संयोजक होंगे। उन्होंने कहा कि अपर मुख्य सचिव सूचना विभाग द्वारा जनपद व प्रदेश स्तर पर होने वाले प्रत्येक कार्यक्रमों का समाचार पत्रों से समन्वय करके समुचित प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संचालन समिति बनायी जाये, जिसमें सभी सम्बन्धित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी को सदस्य के रूप में शामिल किया जाये।

वयोवृद्ध पेंशन भोगी कर्मचारियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशन भोगी कर्मचारियों के हितार्थ एवं कल्याण की दिशा में भी सदैव प्रयत्नशील रहता है एवं इसीक्रम में मंडल द्वारा एक उल्लेखनीय प्रयास करते हुए मंडल के वयोवृद्ध पेंशन भोगी कर्मचारियों को रेलवे द्वारा निर्धारित पेंशन भुगतान की निर्धारित प्रक्रिया से जोड़ा गया, विदित हो कि पूर्व के कुछ सेवानिवृत्त कर्मचारी राज्य प्रशासन के राजकोष के द्वारा पेंशन प्राप्त कर रहे है एवं अधिक पुराने होने के कारण इन कर्मचारियों के अभिलेख इत्यादि भी राजकीय कोष में व्यवस्थितनही है, अतः ऐसे पेंशन भोगियो को पेंशन भुगतान की उचित एवं वर्तमान प्रक्रिया से जोड़ने हेतु मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों के आधार पर एक चरणबद्ध प्रारूप में रेलवे पेंशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से इस प्रकार के पेंशन भोगियो को पेंशन भुगतान की मुख्य धारा से सम्बद्ध करने की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है, इस प्रक्रिया के तहत ऐसे पेंशन भोगियो के रिकॉर्ड का नवीनीकरण करते हुए पीपीओ जारी किये जायेंगे एवं बैंको के माध्यम से पेंशन भुगतान की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी साथ ही समय-समय पर सेवानिवृत्त कर्मचारी के पेंशन भुगतान सम्बन्धी सूचनाओ का संशोधन करने का प्रावधान भी किया गया है, उल्लेखनीय है की इस व्यवस्था के अंतर्गत पेंशनभोगी कर्मियों के हित एवं कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए गत दिवस पर मंडल द्वारा प्रथम पीपीओ जारी किया गया, मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने इस विषय में अवगत कराया कि मंडल अपने समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितार्थ भी सतत प्रयत्नशील रहता है, उन्होंने यह भी बताया की इस कार्ययोजना के द्वारा जहाँ एक ओर वयोवृद्ध सेवानिवृत्त कर्मचारियों का रिकॉर्ड संशोधित किया जा सकेगा वहीँ दूसरी ओर ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन भुगतान की मुख्य धारा से जोडकर वर्तमान व्यवस्था द्वारा इनको पेंशन का भुगतान करना संभव हो जायेगा।

जब बहुजन समाज में पारिवारिक समारोह भीम चर्चा में परिवर्तित होने लगे तो समझ लो समाज में बदलाव शुरू हो गया: लक्ष्य

लखनऊ, संवाददाता। लक्ष्य कमांडर जगन्नाथ प्रसाद जी ने गृह प्रवेश के अवसर पर लखनऊ के आई आई एम रोड पर स्थित एल्डिको सिटी में अपने नए निवास पर एक भीम चर्चा का आयोजन किया जिसमें उनके कई जिलों के रिस्तेदार व मित्रगण शामिल हुए, कार्यक्रम की शुरूवात बुद्ध वंदना से हुई, बहुजन समाज के लोग अंधविश्वास से बाहर निकलकर बुद्ध के मार्ग पर चलने लगे है और वे निडरता से अन्धविश्वास की गुलामी की जंजीरों को तोड़ने लगे है, अब बहुजन समाज के लोग जागरूकता का परिचय देने लगे है वे अपने पारिवारिक समारोहों में पण्डों के बजाए बौद्ध भिक्खु बुलाने लगे है और इन समारोहों में अपने महापुरुषों की गाथा गाने लगे हैं और अपने विकास की चर्चा करने लगे हैं। जब पारिवारिक समारोह भी भीम चर्चा में परिवर्तित होने लगे तो समझ लो समाज में बदलाव शुरू हो गया है।

दो गज की दूरी,मास्क है जरूरी के लिये जन सामान्य को और अधिक जागरूक करने की जरूरत: मुख्य सचिव

लखनऊ, संवाददाता। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में कोविड-19 के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आहूत की गई, जिसमें चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुये मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि लॉकडाउन खत्म हुआ है, कोरोना नहीं, अतः अब और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी के प्रति जन सामान्य को सतत रूप से जागरूक करते रहने की जरूरत है। इसके अलावा बाजारों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनने व सोशल डिस्टेंसिंग का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये तथा ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर उनकी वीडियोग्राफी भी कराई जा सकती है, ताकि मास्क न पहनने तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वालों के

विरुद्ध कार्यवाही करने में आसानी हो। उन्होंने कहा कि सर्विलांस सिस्टम की गुणवत्ता को और बेहतर करने तथा इसके पर्यवेक्षण मैकेनिज्म को भी सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों की जानकारी मिलने पर तत्काल एम्बुलेंस पहुंचे ताकि समय से समुचित इलाज मिल सके। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों का नियमित अपडेट आरआरटी लेती रहे तथा इन्टीग्रेटेड कमाण्ड कण्ट्रोल इसका रैण्डम आधार पर क्रॉसचेक करते रहें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों से पॉजीटिव केसेज ज्यादा आ रहे हैं, उनकी मैपिंग करायी जाये तथा ऐसे क्षेत्रों के लिये बेहतर निगरानी की व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण जिन मरीजों की मृत्यु हो रही है, ऐसे प्रत्येक मामलों की मॉनीटरिंग की जाये तथा चिकित्सक अथवा चिकित्सालय स्तर पर यदि कोई लापरवाही परिलक्षित होती है, तो उन पर सख्त कार्यवाई की जाये। उन्होंने कहा कि सभी कोविड हॉस्पिटल्स में सीसीटीवी के फुटेज का बैकअप 02 माह तक सुरक्षित रखा जाये। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती मरीज एवं तीमारदार का फीडबैक लेने की समुचित व्यवस्था की जाये तथा उनसे प्राप्त फीडबैक पर तत्काल एवं तत्परता से कार्यवाही हो। उन्होंने कहा कि इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर जिलों से फीडबैक लेकर प्रस्तुत करें तथा प्राप्त फीडबैक का वह भी रैण्डम बेसिस पर क्रॉसचेक करें और दैनिक रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराये। मुख्य सचिव ने कहा कि चिकित्सालयों में दवाओं एवं इक्विपमेंट्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे। इसके अलावा वेण्टीलेंटर्स एवं ऑक्सीजन की भी कोई कमी न रहे तथा बैकअप में पर्याप्त उपलब्धता हमेशा रहे। इससे पूर्व, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास एवं पंचायतीराज द्वारा कोविड-19 के सम्बन्ध में विस्तार से प्रगति आख्या प्रस्तुत की गई।

अवैध बिल्डिंग सील कराने पहुंचे इंजीनियरों पर बिल्डर ने किया हमला

लखनऊ, संवाददाता। खुर्रम नगर में बुधवार को अवैध निर्माण सील कराने पहुंचे एलडीए के इंजीनियरों पर बिल्डर ने हमला कर दिया। दो दर्जन साथियों के साथ उसने इंजीनियरों व कर्मचारियों की पिटाई शुरू कर दी। हमले के चलते कुछ कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई वहीं जेई सहित 3 को बिल्डर ने पकड़ लिया। जेई बृजेंद्र सिंह की काफी ज्यादा पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। जेई के हाथ, पैर, सिर में काफी चोटें आई हैं। उधर जानकारी के बाद प्राधिकरण के कई इंजीनियर थाने पहुंच गए। बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। एलडीए के ओएसडी डीके सिंह ने बताया कि बिल्डर मोहम्मद जब्बार बिना नक्शा पास कराए श्याम नगर खुर्रम नगर में अवैध बिल्डिंग बना रहा था। उसकी बिल्डिंग 27 फरवरी 2020 को सील कराई गई थी। इसके बावजूद उसने निर्माण नहीं बंद किया।

लॉकडाउन में जीवन सहज बनाने की राह

तमाम छात्र, जो अपने घरों में बैठे हैं और उन्हें यह नहीं पता कि स्कूल या कॉलेज के लिए लॉकडाउन कब खुलेगा, निश्चित ही उनके लिए यह कठिन समय है. इसे खोलने में जोखिम है और नहीं खोलने पर कई अन्य चिंताएं हैं. कुछ लोगों ने कोविड-19 की वजह से अपने प्रियजनों को खो दिया है. कई अन्य को क्वारंटीन की वजह से पाबंदियों का सामना करना पड़ा है. बीमारी की चपेट में आये परिवार के सदस्यों की वजह से उन्हें भी जूझना पड़ा या आगे क्या होगा, इस बात की भी हर वक्त फिक्र बनी रही है.

घरों में कैद उन लोगों के बीच से कई खौफनाक कहानियां बाहर आयीं, जो इन समस्याओं से जूझ रहे हैं. आप परिवार के बीच में या अब भी अकेले हो सकते हैं. इस दौरान बहुत ही छोटे मामलों को लेकर भी समस्याएं आयीं. लंबे अरसे से एक साथ रहने से तनाव बढ़ रहा है. युवा इन परिस्थितियों से बाहर निकलना चाहता है. लॉकडाउन ने उन्हें दोस्तों से दूर कर दिया है. कितना दुखद है कि उन पर अपने कॉलेज के दोस्तों से दूर रहने का बड़ा दबाव है. छात्र अभी हॉस्टल लाइफ से महरूम हैं और दोस्त इंतजार कर रहे हैं, इसकी भरपाई फोन पर बात करके तो नहीं हो सकती. देर रात भोजन करना, हाथ मिलाना और गर्मजोशी से गले मिलना, कितना कुछ अभी संभव नहीं है? बेंगलुरु की ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफार्म 'योरदोस्त' ने अपने सर्वेक्षण में पाया है कि कॉलेज छात्र महामारी और लॉकडाउन के कारण सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं. छात्रों में 41 प्रतिशत की भावनात्मक वृद्धि यानी घबराहट, भय, चिंता बढ़ी है. क्रोध, चिड़चिड़ापन, हताशा में 54 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, 27 प्रतिशत निराशा का भाव बढ़ा है, जबकि 17 प्रतिशत उदासी और 38 प्रतिशत की वृद्धि अकेलापन,बोरियत महसूस करने में हुई है. निश्चित ही यह चिंताजनक स्थिति है. ऐसे मुश्किल हालात में, हम चाहते हैं कि युवावर्ग धैर्य बरते और चुनौतियों का सामना सरल तथा शक्तिशाली तरीकों से करे. आप चाहें, तो इसे एक रणनीति कह सकते हैं, लेकिन वास्तव में यह उससे कहीं अधिक है, क्योंकि यह न केवल तात्कालिक तौर पर मददगार है, बल्कि इन परिस्थितियों से हम कैसे निकलते और उभरते हैं, उस पर यह दूरगामी असरकारक है. हमें जो कहानी स्वयं को बतानी है, वह छह महीने या एक साल की है, जोकि हमारी लंबी और खुशहाल जिंदगी का खास बड़ा हिस्सा नहीं है. युवा मस्तिष्क द्वारा इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं है, क्योंकि हममें से ज्यादातर लोग इन विचारों के साथ बड़े हुए हैं कि एक साल, खास कर अकादमिक वर्ष गंवाना बहुत बड़ा नुकसान है. विश्व स्तर पर, कई छात्र अपने विश्वविद्यालय से दूर अन्यत्र प्रोजेक्ट के लिए यात्रा करते हैं. सीखने के लिए यह बेहतर स्रोत है, जोकि अकादमिक उपलब्धियों से बिल्कुल अलग होता है. इस अवसर का फायदा उठाते हुए आप अपनी तरक्की के लिए अपने दिमाग और दिल का इस्तेमाल करते हैं. जब हम 50, 60 और 70 की उम्र में होंगे, तो पीछे मुड़कर इन दिनों के बारे में सोच सकते हैं और बच्चों तथा पोतों को अच्छी कहानियों के बारे में बतायेंगे कि मार्च, 2020 में एक दिन दुनिया कैसे बदल गयी, जब एक अदृश्य, अनसुने प्रकार की अनजान प्रजाति मानवजाति पर तबाही लेकर आयी, जिससे नाटकीय ढंग से, शायद निर्णायक रूप से लोगों के जीने का तौर-तरीका बदल गया. लॉकडाउन की यह कहानी मस्तिष्क में कैद हो गयी है. शुरुआत का अच्छा तरीका नया दोस्त बनाना हो सकता है, एक बिल्कुल अलग दोस्त, एक करीबी इंसान, जो साथ रहता है, लेकिन जिसे पूर्ण और पर्याप्त रूप से नहीं जानते. यह आप स्वयं हैं, आंतरिक रूप से, एक सागर, जो आप में सन्निहित है. अपने बारे में सोचें- क्या आप खुद को जानते हैं, क्या वास्तव में खुद को समझते हैं, या वास्तव में खुद से 'मुलाकात' की है? इस खोज की नयी शुरुआत करें. पहली समस्या- हम कक्षाओं, परीक्षाओं, नौकरियों, प्लेसमेंट और अन्य चीजों के बारे में नहीं जानते।

कुछ भी पूर्वानुमानित नहीं है, लेकिन फिर से देखिए और सोचिए. क्या वास्तव में यह नया है? अनिश्चितता हमेशा से रही है- आपके जन्म से ही. यही अनिश्चितता आज अपने आप प्रकट होती है, जोकि अपेक्षाकृत कम अनिश्चित है. बड़ी समस्या अनिश्चितता है, जिसे हम नहीं देखते और न ही जानते हैं. इस अनिश्चितता के बीच में क्या है, जो हमें खुशी और चंचल होने के मौके दे सकता है? किताबों और प्रमाणपत्रों से दूर, अच्छा है कि गतिविधियों का हिस्सा बनें, जो खुशहाली का स्रोत है, एक नयी खोज, एक नया मनोरंजन या कुछ ऐसा, जिसे आमतौर पर पहले हमने नहीं किया है. खुशी के लिए यह क्लासिकल संगीत या पेंटिंग, सिंगिंग या डांस हो सकता है? गंभीर रेडियो ब्रॉडकास्ट को सुनना या पुराना कुछ पढ़ना हो सकता है? खोजिए. इसी काम में दिल लगाना है.

हरवक्त प्रियजनों के साथ अर्थपूर्ण बातचीत और जुड़ाव बरकरार रखना आसान नहीं है, लेकिन हम सब जानते हैं कि कई सफल लोगों को इसका अफसोस रहता है कि उन्हें प्रियजनों के साथ समय बिताने, बात करने या सुनने का मौका नहीं मिलता. वर्षों से क्या आपने परिजनों के साथ बैठकर उन्हें सुना है? इसे एक निरंतर चर्चा बनाएं. एक डायरी के तौर पर लिखें. यह आपके लिए खजाने की तरह और बुरे वक्त में आपके लिए मददगार होगा. जुड़िए. इस काम में भी दिल लगाने जैसा है. कई युवाओं को पता है कि काम करने के दौरान या स्कूल में खाना स्वस्थ तरीके से नहीं खा पाते. उसी तरह उनके सोने की आदत भी सही नहीं है. यह मौका है कि इन दोनों को बेहतर किया जाए.

कुछ खाना पकाना सीखिए, यह आपके साथ हमेशा रहेगी. पारंपरिक भारतीय भोजन को वरीयता दें. पाश्ता या पिज्जा के बजाय रोटी-दाल या इडली-डोसा आपके लिए बेहतर है, क्योंकि इसके लिए हम बुनियादी साम्रगी का इस्तेमाल करना सीखते हैं. परिवार के वरिष्ठ लोगों से मार्गदर्शन लीजिए. तहकीकात, जुड़ाव, खोज और भोजन. इससे पूरे दिन की एक निरंतरता बन जायेगी, जिससे आप अच्छी तरह से सो सकेंगे. लोगों से बातचीत करें और अपने विचारों को साझा करें. इससे अपना अनुभव तैयार करें और यह लॉकडाउन आपके लिए काफी मददगार हो सकता है. जब दुनिया वापस अपने रंग में लौटेगी, तब आप पहले से कहीं अधिक बेहतर महसूस करेंगे।

सम्पादकीय

महिलाओं के प्रति भाषा की मर्यादा

स्त्री के सम्मान और सामर्थ्य का सार्वजनिक उत्सव मना रहे देश में एक जन-प्रतिनिधि द्वारा एक महिला जनप्रतिनिधि को आइटम कहा जाना वाकई दुखद है. हाल ही में मध्य प्रदेश की मंत्री इमरती देवी को कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ द्वारा चुनावी रैली में आइटम कहे जाने को लेकर हर ओर क्रिया-प्रतिक्रिया जारी है. गौरतलब है कि उनकी इस टिप्पणी पर महिला आयोग ने भी जवाब मांगा है और कार्रवाई के लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखा है. इसी बीच एक और अभद्र और विवादास्पद बयान में, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री बिसाहू लाल सिंह ने अपने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार की पत्नी को रखैल जैसा आपत्तिजनक शब्द कहा है. ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि स्त्री अस्मिता के मुद्दों पर बात करने वाले जन-प्रतिनिधियों की ऐसी आपत्तिजनक भाषा आमजन को क्या संदेश देती है? प्रश्न यह भी है कि संघर्षकर अपनी पहचान बनाने वाली महिलाओं को भी सियासी दुनिया में गरिमामयी माहौल क्यों नहीं मिल पाता?यह पहला वाकया नहीं है, जब किसी राजनीतिक दल से जुड़े चेहरे ने ऐसी असभ्य टिप्पणी की हो. स्त्री अस्मिता को चोट पहुंचाने वाला यह मौखिक व्यवहार, चुनावी रैलियों के मंचों से लेकर टेलीविजन चौनलों की बहसों तक अक्सर दिखता रहता है. आखिर क्यों राजनीति की दुनिया में महिलाएं किसी न किसी नेता की बदजुबानी का निशाना बनती हैं?क्यों हमारे जन-प्रतिनिधि ऐसे असभ्य व्यवहार का उदाहरण बन रहे हैं, जो आमजन को भी महिलाओं के प्रति नकारात्मकता और उनका मजाक बनाने का संदेश देता है? हाल के वर्षों में, राजनीतिक परिवेश में भाषाई स्तर पर घोर निराशाजनक हालात देखने को मिले हैं. इस परिवेश में महिलाओं के अंतर्वस्त्रों से लेकर उनके कार्यक्षेत्र और पारिवारिक पृष्ठभूमि से लेकर शैक्षणिक योग्यता तक को लेकर खूब बेहूदा बोल बोले गये हैं और बोले जा रहे हैं. सियासत के खेल में बेहूदगी की हर सीमा पार की जा रही है. अफसोस कि ऐसे तीखे प्रहार, प्रश्न और टिप्पणियां सरकारी योजनाओं की लचरता या आमजन की समस्याओं को लेकर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत आक्षेप और टीका-टिप्पणी के लिए किये जा रहे हैं. महिलाएं इनका पहला निशाना बनती हैं. अफसोस कि हमारे यहां घर-दफ्तर से लेकर राजनीतिक परिवेश तक में कोई यह नहीं समझता कि इस देश की स्त्रियां मर्यादित आचरण चाहती हैं. स्त्रियां सम्मानजनक परिवेश में जीने, अपनी पहचान बनाने और काम करने की उम्मीद रखती हैं. उस मानसिकता से मुक्ति चाहती हैं, जिसमें स्त्री होने के नाते उसके काम और व्यक्तित्व को बेहूदा टीका-टिप्पणियों तक समेट दिया जाता है. क्षेत्र कोई भी हो, अभद्र भाषा और असभ्य व्यवहार झेलना जैसे इस देश की महिलाओं की नियति बन गया है. कोई जनप्रतिनिधि हो या सड़क पर चलता आम इंसान, किसी महिला पर अभद्र टिप्पणी करना एक कुत्सित बर्ताव है. आहत करने वाला यह अपमानजनक व्यवहार कभी छेड़खानी, तो कभी किसी महिला की सफलता पर ही सवाल उठाने वाली बातों के रूप में अक्सर सामने आता रहता है. राजनीति की दुनिया में कई बार महिला नेताओं पर अभद्र ही नहीं, अश्लील टिप्पणियां तक की गयी हैं. यही वजह है कि ऐसी भाषा को लेकर बयानबाजी करने वाले नेता के विरोधी दल के लोग ही नहीं, समाज और सोशल मीडिया तक एक सुर में इस कृत्य के प्रति अपना विरोध दर्ज करते हैं. यह आक्रोश जायज भी है, क्योंकि चुनाव प्रचार से लेकर संसद की कार्यवाही तक, स्त्री अस्मिता को आहत करने वाला यह असभ्य व्यवहार किसी न किसी महिला नेता के हिस्से आता रहता है. विचारणीय है कि सार्वजनिक जीवन में जनप्रतिनिधियों का सोच समझ कर न बोलना, आमजन को उनके जनसरोकार के प्रति कैसे आश्वस्त कर सकता है? हालात यह हो गये हैं कि आम चुनाव हों या राज्य स्तर पर चल रही कोई चुनावी प्रक्रिया, महिलाओं से जुड़े मुद्दे भले ही नदारद हों, पर स्त्री अस्मिता को ठेस पहुंचाने वाले विवादित बोल खूब बोले जाते हैं. जनप्रतिनिधियों की यह वैचारिक दरिद्रता, आभासी संसार और समाचार चौनलों की बहसों के माध्यम से आमजन तक भी पहुंचती है. नयी पीढ़ी के विचार और व्यवहार पर भी इन बातों का नकारात्मक असर पड़ता है. विचारणीय है कि जिस देश में आधी आबादी के हिस्से आज भी सुरक्षा और समानता के मोर्चे पर कई दुश्वारियां मौजूद हैं, वहां ऐसे अभद्र बोल उनकी समस्याएं बढ़ाने वाले ही हैं. शिक्षित हों या अशिक्षित, हमारे यहां महिलाएं आज भी हाशिये पर ही हैं. बेटी-बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे वाले देश में बेटियों का स्कूल तक सुरक्षित पहुंचना ही दुश्वार है. कामकाजी महिलाएं घर से दफ्तर तक आते-जाते समय, भय और अनहोनी की आशंका में घिरी रहती हैं।

दलबदल संसदीय लोकतंत्र का कोढ़

दलबदल संसदीय लोकतंत्र का कोढ़ है। भारतीय संविधान लागू होने के सबसे बड़ा दलबदल सन् 1967 में हुआ था। उस दलबदल में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका श्रीमती विजयाराजे सिंधिया (जिन्हें राजमाता के नाम से भी जाना जाता है) की थी। राजमाता लगभग व्यक्तिगत कारणों से तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र से नाराज हो गई थीं। उस समय वे स्वयं कांग्रेस में थीं। उन्होंने कांग्रेस छोड़ी और कांग्रेस और मिश्रजी के विरूद्ध चुनाव लड़ा। यद्यपि चुनाव में मिश्रजी जीत गए परंतु उसके बावजूद राजमाता ने मिश्रजी को अपदस्थ करने का अभियान प्रारंभ कर दिया। मिश्रजी को लौह पुरुष भी कहा जाता था। वे सख्त प्रशासक थे। वे पहली बार सन् 1963 में मुख्यमंत्री बने थे। उन्हें प्रशासन में अपनी पार्टी के नेताओं की दखलअंदाजी कतई पसंद नहीं थी। उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं था कि विधायक या सांसद अधिकारियों के ट्रांसफर की मांग लेकर उनके पास आएं। उनका कहना था कि यदि विधायकों या सांसदों के कहने पर अधिकारियों, विशेषकर कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के ट्रांसफर होने लगेंगे तो प्रशासन चलाना कठिन हो जाएगा। इसके अतिरिक्त वे विधायकों की अन्य नाजायज मांगों को भी स्वीकार नहीं करते थे। इसके साथ ही उनका व्यवहार भी सख्त रहता था। कुल मिलाकर बहुसंख्यक विधायक उनसे प्रसन्न नहीं थे। विधायकों की नाराजगी को भांपकर राजमाता ने उनके आक्रोश को संगठित करने का अभियान प्रारंभ किया। इस मामले में उन्हें सहयोग मिला गोविन्द नारायण सिंह का। गोविंद नारायण सिंह एक अत्यंत दृढ़ निश्चयी राजनीतिज्ञ थे। वे मिश्रजी की मंत्रिपरिषद के सदस्य थे और विंध्यप्रदेश के सर्वाधिक प्रभावशाली नेता कसान अवधेश प्रताप सिंह के पुत्र थे। कसान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और विंध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। अंततः गोविन्द नारायण सिंह के नेतृत्व में 36 कांग्रेस विधायकों ने पार्टी छोड़ दीं इन सभी विधायकों ने सदन में मिश्रजी के विरूद्ध मतदान किया। उसके बाद इन दलबदलू विधायकों ने जनसंघ व राजमाता के समर्थन से चुने गए विधायकों के साथ मिलकर संयुक्त विधायक दल (संविद) का गठन किया। राजमाता को इस विधायक दल का नेता चुना गया और उनसे मुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने का अनुरोध किया गया। परंतु उन्होंने इस अनुरोध को अस्वीकार किया और गोविन्द नारायण सिंह से मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदार संभालने को कहा। सदन में मतदान के पूर्व सभी दलबदलू विधायकों को दिल्ली के एक होटल में ठहराया गया था। इन विधायकों को होटल छोड़ने की इजाजत नहीं थी। इन सभी विधायकों को बस से दिल्ली ले जाया गया था।

अंततः संविद की सरकार बन गई। सरकार बनते ही संविद के भीतर गंभीर मतभेद उभर आए। दलबदलू विधायकों में से कुछ मंत्री बने, कुछ नहीं बन पाए। ट्रांसफर एक उद्योग बन गया। उस दौरान मंत्रिपरिषद के एक सदस्य कहा करते थे कि हमारी सरकार श्ला एंड आर्डरश् है। अर्थात, पैसे लाओ और आर्डर ले जाओ। भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया। स्वयं गोविन्द नारायण सिंह इससे परेशान हो गए। वे सार्वजनिक रूप से अपना आक्रोश प्रकट करते थे। एक दिन उन्होंने हम पत्रकारों के सामने कहा कि मेरे कुछ मंत्री चौक से भी रिश्वत लेने में नहीं हिचकिचाते। गोविन्द नारायण सिंह इतने परेशान हो गए कि एक दिन यकायक वे त्यागपत्र दे बैठे। गोविन्द नारायण सिंह के स्थान पर राजमाता ने राजा नरेश चन्द्र सिंह को मुख्यमंत्री बनाया परंतु उनसे भी सरकार नहीं चली। इसके कुछ समय बाद सभी 36 दलबदलू विधायक कांग्रेस में वापिस आ गए। ऐसे में मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार मिश्रजी ही होते। सन् 1963 में हुए एक उपचुनाव में वे विधायक बने थे। उस चुनाव को लेकर एक चुनाव याचिका हाईकोर्ट में पेंडिंग थी। ठीक उस मौके पर जब कांग्रेस दुबारा सत्ता में आ गई थी याचिका का फैसला आ गया और मिश्रजी के निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया गया। ऐसी स्थिति में कांग्रेस विधायक दल के नेता का चुनाव हुआ जिसमें पूर्व स्पीकर एवं पूर्व मंत्री कुंजीलाल दुबे को हराकर श्यामाचरण शुक्ल मुख्यमंत्री बने। श्यामाचरण को भी शासन करने में बहुत कठिनाई महसूस होने लगी। दलबदलू विधायकों की कमाई की प्यास ज्यों की त्यों रही। शुक्लजी की मंत्रिपरिषद में 40 सदस्य थे। शुक्लजी भी अपनी परेशानी का बखान सार्वजनिक रूप से करते थे। चूंकि वे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे इसलिए इंदिरा गांधी भी उनसे नाराज थीं। इंदिराजी की इस नाराजी का पंडित मिश्र ने लाभ लिया। मिश्रजी और उनके समर्थक शुक्लजी की मंत्रिपरिषद को श्अलीबाबा और चालीस चोरश् कहते थे। अंततरू श्यामाचरणजी को त्यागपत्र देने के लिए कहा गया। और 23 जनवरी 1972 को पी. सी. सेठी केन्द्रीय मंत्रिपरिषद से त्यागपत्र देकर मुख्यमंत्री बने। मध्यप्रदेश के अलावा देश के अन्य कुछ राज्यों में भी दलबदल के कारण चुनी हुई कांग्रेस सरकारों को इस्तीफा देना पड़ा। दलबदल की शुरूआत हरियाणा से हुई थी। हरियाणा में इतनी जल्दी-जल्दी दलबदल हुआ कि दलबदल की प्रक्रिया को श्आयाराम गयारामश् का नाम दे दिया गया। जहां-जहां दलबदल हुआ वहां राजनीतिक वफादारियां खरीदी जाने लगीं। विधायक को पद और पैसे का लालच दिया जाने लगा। राजनीतिक अस्थिरता का दौर शुरू हो गया और मुख्यमंत्रियों का दबदबा समाप्त हो गया। प्रशासन में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ गया। अक्षम और हां में हां मिलाने वाले अधिकारियों को महत्वपूर्ण पद दिए जाने लगे। एक समय था जब यह माना जाता था कि मध्यप्रदेश सर्वश्रेष्ठ प्रशासित प्रदेश है। जब मिश्रजी को अपदस्थ किया गया था उस समय आरसीव्हीपी नरोन्हा मुख्यसचिव थे। संविद की सरकार बनाते ही नरोन्हा को हटा दिया गया।

यद्यपि गोविन्द नारायण सिंह नहीं चाहते थे कि नरोन्हा को हटाया जाए। बाद में उन्हें दुबारा मुख्य सचिव बनाया गया। इस तरह दलबदल से चौतरफा ह्रास हुआ। उस समय का अनुभव बताता है कि दलबदल से बनीं सरकारें न तो अच्छा शासन दे सकती हैं और न ही विकास कर सकती हैं। दलबदल के पीछे डॉ. राममनोहर लोहिया का चिंतन था। वे कहा करते थे कि शिजन्दा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतींश् अर्थात यदि सरकारें ठीक से नहीं चल रही हैं तो उन्हें अगले चुनाव के पहले ही हटा दिया जाना चाहिए। अब यदि उपचुनावों के बाद मध्यप्रदेश में दलबदलुओं के सहारे सरकार बनती है तो देखना होगा कि उसका क्या हश्र होता है। परंतु एक बात साफ है कि यदि दलबदल के माध्यम से सरकारें बदलती रहेंगी तो चुनाव का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। आवश्यकता है ऐसा कानून बनाने की जिसके माध्यम से दलबदल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जा सके।

विकास का प्रतिस्पर्धाजनित

खौफका नाम है कोविड-19

सदी की सबसे व्यापक महामारी कोविड-19 अब लोगों के लिए जीवन शैली में परिवर्तन के साथ सामान्य अवश्य हो गई है और दिनचर्या भी पूर्ववत होने लगी है, लेकिन विश्व अब भी इसके खौफ में जकड़ा हुआ है। हर आदमी अपने आपसे डरा हुआ है एवं स्वयं से व अपनों से दूर भाग रहा है। कोरोना फैलाव के शुरूआती दौर में जिस तरह बीमारी के इलाज के ही डर से दस हजार से ज्यादा लोग लापता हो गए थे और संक्रमित मरीज अस्पतालों से भाग रहे थे, आत्महत्याएं कर रहे थे, ऐसी खबरें अब कम अवश्य हो गई हैं लेकिन आशंकाओं का माहौल अब भी बना हुआ है। यह कहना गलत नहीं होगा कि कोरोना का डर अब किसी विस्फोटक की तरह हो गया है। कोई व्यक्ति सामान्य रूप से भी खांसता है तो ऐसा माहौल बन जाता है जैसे कहीं बम फटा हो, फिर खांसने वाले को परिवार से ही नहीं, पूरी बस्ती से दूर कर दिया जाता है। इसके बाद पूरे इलाके की ऐसे घेराबंदी कर दी जाती है जैसे कोई आतंकी पकड़ में आ गया हो। निश्चित रूप से कोविड-19 दुनिया के लिए एक चुनौती है और युद्ध स्तर पर इसका इलाज खोजा जा रहा है, फिर भी भारत सहित कई देशों में यह कई गुना तेजी से फैल रहा है। कोरोना ऐसा वायरस है जो भौतिक समीपता से दूसरों को संक्रमित कर देता है और जहां-जहां संक्रमित व्यक्ति जाते हैं, वहां वायरस फैल जाता है। इस महामारी से बचाव के लगातार प्रयासों से हालात सामान्य अवश्य हो गए हैं लेकिन इसके कई विचारणीय पहलू भी हैं कि लोगों में बिना भय और तनाव के धैर्य से भी हालात पर काबू पाया जा सकता था। विश्व और भारत में समय-समय पर महामारी के दौर आते रहे हैं। कभी प्लेग, चेचक, हैजा तो कभी स्वाइन फ्लू या एड्स के रूप में। इन सभी बीमारियों को मिटाने के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास किए गए हैं। लोगों में इन बीमारियों का भय भी रहा है और बचाव के प्रयास भी किए गए हैं लेकिन जिस तरह से कोरोना का भय फैला उससे अनेक देशों की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हुई है। रोज कमाकर खाने वालों, श्रमिकों, कर्मचारियों व सामान्य लोगों में ऐसी भगदड़ मची है जिसकी तुलना देश के विभाजन के समय से की जा रही है। लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त है। उनमें घबराहटयुक्त बैचेनी है और वह आशंकाओं से घिरा है कि उसके आर्थिक हालात सामान्य होंगे या नहीं, जीवन फिर से पहले के समान होगा या नहीं, रोजगार के अवसर बहाल होंगे या नहीं, छात्रों का शिक्षा केन्द्रों पर जाना, निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को वेतन मिलना, व्यापार का पूर्व की स्थिति में आना आदि सभी गतिविधियां शंका के घेरे में आ गई हैं। इसके विपरीत दवाइयां बनाने वाली कम्पनियों के बीच बढ़ती स्पर्धा ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं कि कहीं यह खौफविकसित देशों की व्यापारिक व साम्राज्यवादी स्पर्धा का परिणाम तो नहीं? अपने व्यापारिक फैलाव से विश्व में बड़ी शक्ति साबित कर चुके चीन के माल का बहिष्कार, उसे ही कोरोना के लिए जिम्मेदार ठहराकर उसे अलग-थलग करना और दवा बनाने की होड़ और मनमाने मूल्य निर्धारित करना इस पक्ष की पुष्टि करता है। इस महामारी के दुष्प्रभाव इतने गहरे हैं कि इनसे उबर पाना किसी भी देश, विशेषकर भारत के लिए आसान नहीं होगा। कोरोना के प्रचार ने सभी देशों की श्रमशक्ति के स्वरूप को ही बदल दिया है जिसमें श्रमिक वर्ग कम व कमजोर होता जा रहा है। उनके विरोध की शक्ति खत्म होती जा रही है वहीं मध्यम वर्ग के काम के तौर-तरीके बदल रहे हैं। वह कम्प्यूटर और आधुनिक तकनीक को अपनाकर नई संस्कृति रच रहा है जिसमें सामूहिकता में कार्य करने का कोई स्थान नहीं है। उसका बड़ी निजी कम्पनियों की तरफ रुझान बढ़ा है। उसके लिए सभी सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण भी कोई मायने नहीं रखता। वह समन्वित विकास के दूरगामी परिणामों से पूरी तरह अपरिचित है। इस वर्ग के लिए लोकतंत्र और शासकीय स्वार्थ भी कोई मायने नहीं रखते। ऐसे में कोरोना ने एक निराशाजनक व स्व केन्द्रित आक्रोश बढ़ाया है।

मानवीय लापरवाही से बढ़ी एक ऐसी बीमारी जिसे लेकर जो खौफ खड़ा किया गया वह हमारी शासकीय विफलता को ही दर्शाता है, जबकि इसका इलाज भी तलाश लिया गया है और लोगों के ठीक होने का प्रतिशत भी बढ़ा है। इस पूरे माहौल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुम्बई के एक वरिष्ठ चिकित्सक का, जिनके नेतृत्व में इस बीमारी के मरीजों का इलाज किया जा रहा था, फिर वे स्वयं गंभीर रूप से इससे संक्रमित होकर ठीक होने के बाद दुबारा काम पर आए, आक्रोश के साथ यही कहना था कि जितना इस महामारी का डर दिखाया गया है और बिना विचार किए लॉकडाउन किए गए वे पूरी तरह गलत और बीमारी का झूठा प्रचार मात्र है। लोगों के आक्रोश की एक वजह यह भी है कि बीमारों की संख्या बढ़ रही है और लॉकडाउन खुल रहे हैं, जो सरकारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार आज कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या बढ़ रही है, जनजीवन भी सामान्य होता जा रहा है लेकिन इसके व्यापक असर क्या लोगों को पहले की तरह का जीवन दे पाएंगे? कोरोना का इलाज अब रस्म अदायगी मात्र बनकर रह गया है। लोगों की पीड़ा ज्यों की त्यों है। कहने को बड़ी दवा कम्पनियां दवा की कई खुराक, प्लाज्मा और वैक्सीन खोज चुकी है, लेकिन अस्पतालों की कमी, महंगे इलाज को देखते हुए नहीं लगता कि लोग लम्बे समय तक इस बीमारी से निजात पा सकेंगे क्योंकि सरकारों के कल्याणकारी शासन देने के दायित्व कहीं देखने में नहीं आए हैं, जैसे कि चीन में, जिसके वुहान शहर से इस महामारी की शुरूआत हुई थी, अब वहां जनजीवन सामान्य है।

सार समाचार ....

सौरव गांगुली ने किया ऐलान, 2021 में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा डे-नाईट टेस्ट

कोलकाता एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि अगले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के भारत दौरे के दौरान अहमदाबाद करेगा डे-नाईट टेस्ट की मेजबानी. इंग्लैंड को अगले साल जनवरी से मार्च तक पांच टेस्ट और सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करना है. भारत में हाल में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अटकलें लगाई जा रही हैं कि ये श्रृंखला यूएई में स्थानांतरित हो सकती है जहां अभी आईपीएल 2020 चल रहा है. लेकिन सौरव गांगुली ने कहा, 'दिन-रात्रि टेस्ट की मेजबानी अहमदाबाद करेगा'. बीसीसीआई हालांकि देश में ही इंग्लैंड की मेजबानी करने को लेकर प्रतिबद्ध है और पहले ही सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है जिसमें जैविक रूप से सुरक्षित माहौल तैयार करना भी शामिल है. टेस्ट श्रृंखला के तीन संभावित स्थल अहमदाबाद, धर्मशाला और कोलकाता हो सकते हैं लेकिन गांगुली ने कहा कि उन्होंने अभी अंतिम फैसला नहीं किया है. गांगुली ने कहा, 'हमने कुछ अस्थाई योजना बनाई है लेकिन अभी कोई फैसला नहीं किया गया है. हमारे पास अब भी चार महीने का समय है'. बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि उनकी प्राथमिकता ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा है जिसके लिए टीम का चयन कुछ दिनों में होगा. उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला होनी है. कुछ दिनों में इसके लिए टीम का चयन किया जाएगा'. गांगुली ने कहा कि आईपीएल के तुरंत बाद खिलाड़ियों के लिए टेस्ट प्रारूप के अनुरूप ढलना समस्या नहीं होगी. उन्होंने कहा, 'वे सभी स्तरीय खिलाड़ी हैं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी'. बीसीसीआई ने एक जनवरी से रणजी ट्रॉफी शुरू करने का फैसला किया है और गांगुली ने कहा कि आगामी वार्षिक आम बैठक में इसे लेकर चर्चा की जाएगी।

धवन लगातार 2 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी; पंजाब के टॉप-5 में पहुंचने से प्रिटी खुश

बेंगलुरू (जी.एन.एस) आईपीएल के 13वें सीजन का 38वां मैच शिखर धवन, क्रिस गेल और निकोलस पूरन की बल्लेबाजी के कारण रोमांच से भरा रहा। दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर शिखर धवन लीग के इतिहास में लगातार 2 शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 106 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, किंग्स इलेवन पंजाब के क्रिस गेल ने 13 बॉल पर 29 रन की पारी खेली।

गेल ने अकेले 26 रन तो एक ही ओवर में जड़ दिए। यह पारी का 5वां और तुषार देशपांडे का पहला ओवर था। गेल ने इस ओवर में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। यह इस सीजन के पावर-प्ले का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। पंजाब के लिए निकोलस पूरन ने 28 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। इसके बदौलत किंग्स ने दिल्ली को 5 विकेट से हराया। पंजाब ने लगातार टॉप-3 टीमों को हराकर पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर पहुंच गई। इस जीत की खुशी मालकिन प्रिटी जिंटा के चेहरे पर साफ देखी गई।

जिमनेज के गोल से वोल्व्स ने लीड्स को 1-0 से हराया

दुबई एजेंसी।

इंग्लिश प्रीमियर लीग के मुकाबले में वोल्व्स ने लीड्स यूनाइटेड को 1-0 से हराया। उनके लिए राउल जिमनेज ने 70वें मिनट में गोल किया। पहले हाफ में लीड्स ने दबदबा बनाकर रखा था लेकिन वे गोल नहीं कर पाए। घरेलू मैदान पर लीड्स की ये पहली हार है। इस जीत के साथ वोल्व्स के 5 मैचों में 9 अंक हो गए हैं। क्लब प्रीमियर लीग टेबल में 6वें स्थान पर है। वहीं 16 साल बाद लीग खेल रही लीड्स 7 अंक के साथ 10वें नंबर पर है। वहीं इटैलियन लीग सीरी ए में जेनोआ और वेरोना का मुकाबला 0-0 से बराबर रहा।

प्रीमियर लीग में 8 नए कोरोना पॉजिटिव मिले ईपीएल में 12 से 18 अक्टूबर के बीच 1575 सदस्यों का कोरोना टेस्ट किया गया, जिसमें 8 पॉजिटिव पाए गए। सभी को 10 दिन के लिए सेल्फ आइसोलेशन में भेज दिया गया है। सीजन की शुरुआत से ईपीएल में कुल 42 केस आ चुके हैं।

किंग्स इलेवन ने पिछले 3 मैचों में सीजन की टॉप-3 टीमों को हराया प्ले-ऑफ की दावेदारी बरकरार

नई दिल्ली , एजेंसी।

आईपीएल में शुरुआती 7 में से 6 मैच हारने वाली किंग्स इलेवन पंजाब ने लगातार 3 मैच जीतकर टूर्नामेंट में वापसी कर ली है। पिछले 3 मैचों में पंजाब ने इस सीजन की टॉप-3 टीम दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराया है। सीजन में 4 जीत के साथ पंजाब पॉइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर पहुंच गई है। ऐसे में उसने अपनी प्ले-ऑफ की अपनी दावेदारी बरकरार रखी है।

अब मुकाबला बॉटम-3 से जीत की हैट्रिक लगाने के बाद पंजाब का मुकाबला अब पॉइंट्स टेबल की बॉटम-3 सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ होना है। वहीं एक मुकाबले में उसका सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होना है। ऐसे में पंजाब के पास प्ले-ऑफ में जगह बनाने का भरपूर मौका है। बेंगलुरु-कोलकाता मैच पर नजर

पंजाब की निगाहें बुधवार शाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मुकाबले पर होगी। अगर यह मुकाबला बेंगलुरु जीत ले, तो पंजाब के लिए प्ले-ऑफ की राह थोड़ी आसान हो जाएगी। बेंगलुरु 12 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है और कोलकाता फिलहाल 10 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर बरकरार है।

पंजाब ने बेंगलुरु को आखिरी बॉल पर हराया था

पंजाब ने बेंगलुरु को आखिरी बॉल पर हराया था। शारजाह में 172 रन का टारगेट का पीछा करते हुए पंजाब ने आखिरी बॉल पर मैच जीता था। इसके बाद दुबई में मुंबई के खिलाफ पंजाब ने डबल सुपर ओवर में जीत दर्ज की थी। वही, मंगलवार को दिल्ली को उसने 5 विकेट से हराया था।

पंजाब ने सीजन में 3 सुपर ओवर खेले

पंजाब ने इस सीजन में कुल 3 सुपर ओवर खेले हैं, जिसमें 2 तो सिर्फ एक ही मैच में। पहले सुपर ओवर में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, रविवार को हुए डबल सुपर ओवर में पंजाब ने मुंबई इंडियंस को हराकर टूर्नामेंट में वापसी की थी।

आखिरी ओवरों में धड़कनें तेज थीं लेकिन ऐसे जीतना अच्छा रहा

आगे और भी चुनौतियों के लिए हमें तैयार रहना होगा। पंजाब ने सीजन कई मैच आखिरी ओवरों में गंवाए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उसे जीते हुए मैच में 1 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली | एजेंसी।

आईपीएल के 38वें मैच में किंग्स इलेवन पंजाब ने दिल्ली कैपिटल्स को 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पंजाब पॉइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर पहुंच गई है। जीत के बाद कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि आखिरी ओवरों में धड़कनें तेज हो गईं थी, लेकिन 19वें ओवर में ही मैच को अपने पक्ष में करना अच्छा रहा। वहीं, दिल्ली के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि यह हार हमारे लिए वेक-अप कॉल है। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ भी आखिरी ओवर में उसे 2 रन बनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। निकोलस पूरन ने आखिरी बॉल पर छक्का लगाकर टीम को मैच जिताया था। इसके बाद रविवार को मुंबई के खिलाफ तो डबल सुपर ओवर से फैसला हुआ था।

सेट बैट्समैन को गेम फिनिश करना होगा - राहुल

राहुल ने कहा कि जब आप 6 बल्लेबाज और एक ऑल-राउंडर के साथ खेल रहे हों, तो यह जरूरी है कि सेट बैट्समैन मैच को खत्म करें। टॉप-4 बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा कि हमारी गेंदबाजी भी शानदार रही। पिछले मैच के बाद मोहम्मद शमी में आत्म-विश्वास देखने को मिला। शमी दिन पर दिन बेहतर होते जा रहे हैं। अर्शदीप सिंह ने भी अपने खेल से सभी को प्रभावित किया।

मैक्सवेल जैसे मैच विनर को बैक करना जरूरी

राहुल ने कहा कि मैक्सवेल एक मैच विनर हैं। वे नेट्स में अच्छे से बॉल को हिट कर रहे हैं। इसलिए उनका सपोर्ट करना बहुत ही जरूरी हो जाता है। मैदान पर उन्हें बल्लेबाजी के लिए समय लेते देख अच्छा लगा।

तुषार इस मैच से काफी कुछ सीखेंगे

श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद कहा कि हमें लगता है कि हम 10 रन कम रह गए। हमें इस गेम से काफी कुछ सीखने को मिला। शिखर धवन ने शानदार बल्लेबाजी की, यह हमारे लिए पॉजिटिव रहा। उन्होंने कहा कि इस हार से प्लेयर्स को अगले मैच के लिए तैयारी करने के लिए मोटिवेशन मिलेगा। फील्डिंग में हमें और सुधार करना होगा।

पीवी सिंधू ने परिवार में तनाव की खबरों को नकारा

नई दिल्ली | एजेंसी।

विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने मंगलवार को कहा कि वह अपने परिवार और कोचों की सहमति से लंदन में हैं और इस तरह उन्होंने इनमें से किसी के भी साथ मतभेद की खबरों को खारिज किया। सिंधू के पिता ने हालांकि हैदराबाद में राष्ट्रीय शिविर से उनके खुश नहीं होने के बारे में कहा। ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू पिछले 10 दिन से लंदन में हैं और सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर गेटोरेड खेल विज्ञान संस्थान (जीएसएसआई) की खेल पोषण विशेषज्ञ रेबेका रेंडेल के साथ तस्वीर पोस्ट की। सिंधू जीएसएसआई में ही ट्रेनिंग कर रही हैं। एक खबर में दावा किया गया है कि सिंधू ने परिवार में तनाव के कारण देश छोड़ा है, लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने इन अटकलों को खारिज किया। सिंधू ने मंगलवार को ट्विटर पर डाले बयान में कहा, मैं कुछ दिन पहले लंदन आई जिससे कि अपने जीएसएसआई के साथ अपने पोषण और उबरने से जुड़ी चीजों पर काम कर सकूं।

मैं अपने माता-पिता की सहमति से यहां आई हूं और इस संदर्भ में परिवार में कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे अपने माता-पिता से कोई समस्या क्यों होगी जिन्होंने मेरे लिए अपने जीवन में बलिदान दिए। मेरा परिवार एक-दूसरे के काफी करीब है और वे हमेशा मेरा समर्थन करते हैं। मैं अपने परिवार के सदस्यों के रोजाना संपर्क में हूं। इससे पहले सिंधू के पिता पीवी रमन्ना ने कहा था कि उनकी बेटी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के कैलेंडर के अगले साल होने वाले एशियाई चरण की तैयारी के लिए लंदन में है क्योंकि हैदराबाद में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में वह उचित अभ्यास नहीं कर पा रही थी। कोविड-19 महामारी के कारण बीडब्ल्यूएफ को विश्व टूर फाइनल्स (27-31 जनवरी) और दो एशिया ओपन (2-17 जनवरी और 19-24 जनवरी) को अगले साल जनवरी में बैंकॉक स्थानांतरित कराने को बाध्य होना पड़ा। रमन्ना ने कहा कि यह स्टार खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में अपनी ट्रेनिंग से खुश नहीं थी। उन्होंने कहा, यहां वह उचित अभ्यास नहीं कर पा रही थी। एशियाई खेल 2018 के बाद गोपी (मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद) ने उसकी ट्रेनिंग में रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने उसके साथ ट्रेनिंग के लिए उपयुक्त अभ्यास जोड़ीदार मुहैया नहीं कराया। रमन्ना ने दावा किया, वह स्तरीय अभ्यास नहीं कर पा रही थी और अपने साथ हो रहे व्यवहार से तंग आ चुकी थी। संपर्क करने पर गोपीचंद ने पुष्टि की कि सिंधू ने लंदन जाने के बारे में उन्हें सूचित किया था, लेकिन उन्होंने रमन्ना की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। गोपीचंद ने कहा, हमारे पास यही सूचना है कि वह गेटोरेड ट्रेनिंग अकादमी गई है। वहां उनका ट्रेनिंग संस्थान है। मुझे कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, उसके पिता क्या कह रहे हैं इस पर मैं प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता, अगर सिंधू कुछ कहती है, तो मैं प्रतिक्रिया दूंगा। सिंधू ने हालांकि बाद में कहा कि उनके और पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन गोपीचंद के बीच कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा, साथ ही मुझे अपने कोच गोपीचंद या अकादमी में ट्रेनिंग सुविधाओं से कोई समस्या नहीं है।

ऑकलैंड के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर पहले कोविड-19 सब्स्टीच्यूट

ऑकलैंड (जी.एन.एस) ऑकलैंड के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर मंगलवार को कोविड-19 के कारण पहले सब्स्टीच्यूट खिलाड़ी बन गए। प्लंकेट शील्ड प्रथम श्रेणी क्रिकेट चैंपियनशिप के ऑकलैंड में चल रहे मुकाबले में उन्होंने टीम के अपने साथी मार्क चैपमैन की जगह ली।

छह वनडे और 24 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके 26 साल के चैपमैन ने कथित तौर पर बीमार महसूस किया, जिसके बाद उनका कोविड-19 परीक्षण किया गया। चैपमैन के परीक्षण के नतीजे आने तक 18 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले लिस्टर को उनका विकल्प घोषित किया गया है।

दोनों के पास प्ले-ऑफ में जगह मजबूत करने का मौका

- **पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती- 7**
- **पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती- 6**
- **इस सीजन में बना हाई-स्कोर- 195**
- **इस सीजन में बना लो-स्कोर- 125**

अबुधामी एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 39वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्क्र) और कोलकाता नाइट राइडर्स (चयत्र) के बीच आज शाम 7.30 बजे से अबु धाबी में खेला जाएगा। पॉइंट्स टेबल के टॉप-4 में शामिल दोनों टीमों के पास प्ले-ऑफ के लिए जगह मजबूत करने का मौका है। आरसीबी मैच जीती तो नंबर-2 पर पहुंच जाएगी।

पिछले मुकाबले में आरसीबी ने केकेआर को हराया था आरसीबी अभी 9 में से 6 मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर काबिज है। वहीं, केकेआर 9 में से 5 मैच जीतकर चौथे स्थान पर बरकरार है। दोनों टीमें अपने-अपने पिछले मुकाबले जीतकर आ रही हैं। दोनों टीमें सीजन में दूसरी बार आमने-सामने हैं। पिछले मुकाबले में बेंगलुरु ने कोलकाता को 82 रन से हराया था। शारजाह में खेले गए मैच में आरसीबी ने 194 रन बनाए थे। इसके जवाब में केकेआर 119 रन ही बना सकी थी।

बेंगलुरु की ताकत आरसीबी के टॉप-4 बल्लेबाज शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने टीम के लिए अब तक 9-9 मैच में 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। कप्तान विराट कोहली के नाम सबसे ज्यादा 347 रन दर्ज हैं। गेंदबाजी में युजवेंद्र चहल, क्रिस मॉरिस, इसुरु उडाना और वाशिंगटन सुंदर कमाल की बॉलिंग कर रहे हैं। अब तक चहल ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 13 विकेट लिए हैं।

कोलकाता के लिए फ्लॉप बल्लेबाजी बड़ी टेंशन

केकेआर की टीम में शुभमन गिल और कप्तान इयोन मॉर्गन के अलावा कोई भी बल्लेबाज फॉर्म में नहीं है। यह टीम के लिए बड़ी टेंशन बनी हुई है। गिल ने टीम के लिए 9 मैच में सबसे ज्यादा 311 और मोर्गन ने 248 रन बनाए हैं। पूर्व कप्तान दिनेश कार्तिक (141) और नीतीश राणा (184) अब तक रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। टीम की बॉलिंग भी कमाल नहीं दिखा पा रही। वरुण चक्रवर्ती और शिवम मावी ने सबसे ज्यादा 7-7 विकेट लिए हैं।

दोनों टीमों के सबसे महंगे खिलाड़ी

कोलकाता के सबसे महंगे खिलाड़ी पैट कमिंस हैं। उन्हें सीजन के 15.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसके बाद आंद्रे रसेल का नंबर आता है, जिन्हें सीजन के 8.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, आरसीबी में कप्तान कोहली सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 17 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में एबी डिविलियर्स का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। अबु धाबी में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 26 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अबु धाबी में पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। यहां टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। अबु धाबी में पिछले 13 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 54 प्रतिशत रहा है।

कोलकाता ने 2 बार खिताब जीता, बेंगलुरु को अब भी इंतजार आईपीएल इतिहास में कोलकाता ने अब तक दो बार फाइनल (2014, 2012) खेला और दोनों बार चैम्पियन रही है। वहीं, आरसीबी ने 2009 में अनिल कुंबले और 2011 में डेनियल विटोरी की कप्तानी में फाइनल खेला था। 2016 में विराट की कप्तानी में भी टीम फाइनल में पहुंची। लेकिन, एक बार भी खिताब नहीं जीत सकी।

कोलकाता का सक्सेस रेट बेंगलुरु से ज्यादा

आईपीएल में कोलकाता का सक्सेस रेट 52.40 प्रतिशत है। केकेआर ने अब तक कुल 187 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 97 जीते और 90 हारे हैं। वहीं, बेंगलुरु का सक्सेस रेट 48.11 अ है। आरसीबी ने अब तक कुल 190 मैच खेले हैं, जिसमें उसने 90 जीते और 96 हारे हैं। 4 मैच बेनतीजा रहे।

लगातार 16वें सीजन में गोल करने वाले खिलाड़ी बने

बार्सिलोना | एजेंसी।

बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी ने चैम्पियंस लीग में नया कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। लीग में फेरेनवारोस के खिलाफ 5-1 की शानदार जीत में मेसी ने एक गोल किया। इस गोल के साथ वे लगातार 16वें सीजन में कम से कम एक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए है। इस मामले में उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड के रियान गिग्स के ऑल-टाइम रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

मेसी ने मैच का पहला गोल किया

मेसी ने मैच के 27वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिलाई। इसके बाद अंसु फाती ने 42वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। फिलिप काउटिन्हो, पेड्री और ओसमन डेम्बेले ने दूसरे हाफ में एक-एक गोल कर बार्सिलोना को आसान जीत दिला दी। लीग में अब 29 अक्टूबर को बार्सिलोना का मुकाबला जुवेंटस से होगा।

मेसी चैम्पियंस लीग में अलग-अलग 36 टीमों के खिलाफ गोल कर चुके

इसके साथ मेसी ने लीग में नया रिकॉर्ड बनाया। वे चैम्पियंस लीग में अलग-अलग 36 टीमों के खिलाफ करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और राउल गोंजालेज ने 33-33 टीमों के खिलाफ गोल किए हैं, जबकि करीम बेंजेमा और ज्लाटन इब्राहिमोविच ने 29 टीमों के खिलाफ गोल दागे हैं।

मेसी ने 2004 में बार्सिलोना के लिए किया था डेब्यू

बता दें कि मेसी ने बार्सिलोना के लिए 18 साल की उम्र में 16 अक्टूबर 2004 को डेब्यू किया था। तब से अब तक उन्होंने टीम के लिए 488 मैच में 445 गोल दागे हैं। इस दौरान उन्होंने टीम को 10 ला लिगा और 4 यूईएफए चैम्पियंस लीग समेत 34 खिताब जिताए हैं।

मेसी ने रिकॉर्ड 6 बार बैलोन डीओर अवॉर्ड जीता

मेसी ने पिछले साल रिकॉर्ड 6वीं बार बैलोन डीओर अवॉर्ड जीता। इस मामले में उन्होंने रोनाल्डो (5 बार) को पीछे छोड़ दिया। पिछले 12 साल में मेसी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019) ने 6 और रोनाल्डो (2008, 2013, 2014, 2016, 2017) ने पांच बार यह पुरस्कार अपने नाम किया।

शिखर ने लगातार 5वें सीजन में 400+ रन बनाए; सचिन बोले- आपको बैटिंग करते देखने में मजा आता है

दुबई, एजेंसी। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन की शानदार फॉर्म जारी है। शिखर धवन ने लीग में लगातार 2 शतक जड़कर इतिहास रच दिया। यही नहीं, वे लगातार लीग में 5000 रन बनाने वाले 5वें खिलाड़ी भी बन गए हैं। धवन ने 2016 से हर सीजन में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। धवन की शानदार बल्लेबाजी के बाद सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया कि शानदार बल्लेबाजी। आपको बल्लेबाजी करते देखकर हमेशा मजा आता है। पिछले 5 सीजन से धवन का शानदार प्रदर्शन धवन ने लगातार 5वें सीजन में लगी में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने 2016 में 501, 2017 में 479, 2018 में 497, 2019 में 521 और इस सीजन में अब तक 465 रन बनाए हैं। धवन ने चेन्नई और पंजाब के खिलाफ लगातार 2 शतक भी लगाए। आईपीएल में ऐसा करने वाले वे एकमात्र बल्लेबाज हैं। धवन एक सीजन में दो या इससे ज्यादा शतक बनाने वाले 5वें खिलाड़ी हैं। एक सीजन में सबसे ज्यादा शतक बनाने का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली के नाम है। उन्होंने 2016 में 4 शतक लगाए थे। क्रिस गेल (2011), हाशिम अमला (2017) और शेन वाटसन (2018) ने एक सीजन में दो-दो शतक लगाए थे। लीग में 5000 रन भी पूरे किए आईपीएल में शिखर धवन ने अपने 5000 रन भी पूरे किए। ऐसा करने वाले वे 5वें खिलाड़ी हैं। धवन के अलावा विराट कोहली (5759), सुरेश रैना (5368), रोहित शर्मा (5158) और डेविड वॉर्नर (5037) लीग में 5000 रन बना चुके हैं।

अंकिता लोखंडे की बहन अशिता का ग्लैमरस लुक वायरल

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने हाल ही में अपनी बहन अशिता की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। अशिता की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करने के साथ ही अंकिता ने अपनी बहन अशिता की एक्टिंग की दुनिया में जल्द ही एंट्री लेने की खबर भी दी है।

अंकिता लोखंडे की बहन अशिता ने इंडस्ट्री में आने का पूरा मन बना लिया है। अशिता, अंकिता की कजिन सिस्टर हैं, लेकिन उनके काफी करीब हैं। अशिता के इस फैसले से अंकिता काफी खुश हैं और इस बात की जानकारी अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम के जरिए फैंस के साथ शेयर की है। अंकिता ने अशिता की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर करने के साथ मैसेज लिखा है। अंकिता लोखंडे ने अशिता की फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, फाइनली तुम वही कर रही हो, जो तुम हमेशा से करना चाहती थी आशी और मैं तुम पर बहुत गर्व महसूस कर रही हूं बेबी। नया सफर शुरू हो चुका है और मैं प्रार्थना करती हूं कि तुम अपने सभी सपने पूरे करो आशी। अपने पैरेंट्स को खुद पर गर्व महसूस कराओ, जो मैं जानती हूं तुम करोगी मेरी अगली सुपर मॉडल। अब अपने नए सफर को एंजॉय करो। कभी डरना मत, कभी हार मत मानना, किसी भी परिस्थिति से भागना मत। अपना खूबसूरत और मुस्कुराता हुए चेहरा लेकर आगे बढ़ो। ये बात हमेशा ही याद रखना कि मैं तुम्हारे साथ हूं, जब भी तुम्हे मेरी जरूरत होगी।

कैसे करती थीं बड़े इमोशनल सीन सना सईद का खुलासा

करण जौहर की फिल्म कुछ कुछ होता है को 22 साल पूरे हो गए हैं। यह फिल्म उनका डायरेक्टोरियल डेब्यू था। इस मौके पर फिल्म के 20 साल होने पर अंजलि यानी सना सईद ने जो बातें कहीं थीं, यहां है उसका कुछ अंश। सना सईद ने इस फिल्म में शाहरुख खान की बेटी अंजलि का रोल निभाया था। फिल्म का हिस्सा होने के अनुभव के बारे में वह बताती हैं कि उस वक्त वह बहुत छोटी थीं और उन्हें अहसास नहीं था कि कितने बड़े सिलेब्स के साथ काम कर रही हैं। अब इतने साल बाद उन्हें इस बात का अहसास होता है। उन्होंने बताया कि शाहरुख खान उस वक्त भी उनके फेवरिट थे और उनकी मौजूदगी से कुछ कुछ होता था। फिल्म में उनके जो इमोशंस दिखाई दिए उसके लिए वह करण जौहर को क्रेडिट देती हैं। सना ने बताया कि उनके सीन से पहले करण जौहर उनके साथ बैठते थे। उसको अच्छे से समझाते थे। वह वो सिचुएशन क्रिएट करने की कोशिश करते थे जिसमें वह वो खास इमोशन फील कर सकें। इसके बाद जाकर सीन शूट होता था। सना ने बताया था कि फिल्म के बाद उन्हें बहुत अटेंशन मिला था। कुछ कुछ होता है में शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और काजोल लीड रोल्स में थे। फिल्म में सलमान खान भी स्पेशल रोल में थे। फिल्म की रिलीज को 22 साल हो चुके हैं। मूवी आज भी कई लोगों की फेवरिट फिल्म है।

पुलकित सम्राट की हुई फिल्मो में वापसी

बॉलीवुड फिल्मो को लेकर हर दिन कोई ना कोई बड़ा अपडेट सामने आता ही रहता है। हर दिन किसी ना किसी फिल्म का ट्रेलर रिलीज होता रहता है। काफी लम्बे इंतजार के बाद बिजॉय नाम्बियार नाम्बियार के निर्देशन में बनने वाली फिल्म तैश का ट्रेलर रिलीज हो गया है जिसको देखने के लिए हर कोई काफी ज्यादा उत्साहित था। इस फिल्म से कई कलाकारों की वापसी हुई है। सोशल मीडिया की बात की जाए तो इस फिल्म के ट्रेलर को लोगो का काफी अच्छा रेस्पोस मिल रहा है। तैश को जी-5 फिल्म और सीरिज़ दोनों के तोर पर रिलीज करने जा रहा है। इस फिल्म के 2 मिनट 34 सेकंड लंबे ट्रेलर में काफी कुछ देखने को मिल रहा है। इ फिल्म जबरदस्त एक्शन और थ्रिलर से लैस होने वाली है। इस फिल्म से लंबे वक्त बाद पुलकित सम्राट फिल्मो में वापसी करने जा रहे है। वही एक लम्बे इंतजार के बाद हर्षवर्धन राने भी इस फिल्म से बॉलीवुड में वापसी कर रहे है। हर्षवर्धन राने की पहली फिल्म सनम तेरी कसम एक बहुत बड़ी हिट फिल्म साबित हुई थी। लेकिन उस फिल्म के बाद उन्हें काम नहीं मिला था।

अतरंगी रे के लिए अक्षय कुमार को मिली भारी भरकम फीस?

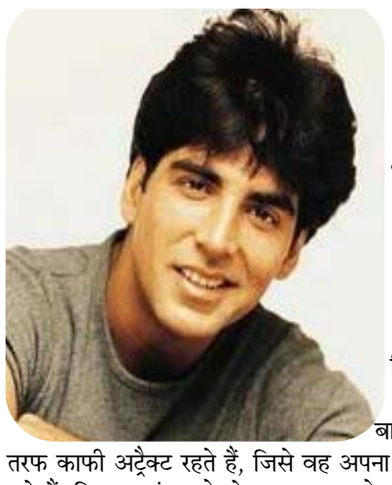

यह कहना शायद गलत नहीं होगा कि अक्षय कुमार बॉलिवुड के सबसे व्यस्त ऐक्टर्स में से एक हैं। अक्षय ने हाल ही में अपनी फिल्म बेल बॉटम की शूटिंग खत्म की है और वह इसके बाद तुरंत बाद अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में लग चुके हैं। इस वक्त अक्षय अपनी अगली फिल्म अतरंगी रे की भारी भरकम फीस को लेकर चर्चा में हैं। अक्षय कुमार आनंद एल. रॉय की फिल्म अतरंगी रे में भी नजर आनेवाले हैं, जिसमें उनके साथ नजर आएंगी सारा अली खान। फिल्म में इन दोनों स्टार्स के अलावा साउथ सिनेमा के स्टार धनुष भी हैं। अब खबर है कि अक्षय ने अपनी इस फिल्म के लिए काफी बड़ा अमाउंट चार्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के लिए उन्हें 27 करोड़ रुपये मिलने वाला है और वह दो वीक की शूटिंग करेंगे। इस बारे में फिल्मफेयर से हुई बातचीत में एक करीबी सूत्र ने बताया अक्षय कुमार 9 नंबर की तरफ काफी अट्रैक्ट रहते हैं, जिसे वह अपना लकी नंबर भी मानते हैं। वह हमेशा उतना ही अमाउंट चार्ज करते हैं, जिसका नंबर जोडने पर 9 आता हो। रिपोर्ट के मुताबिक, आमतया वह अपनी फिल्म की शूटिंग के दौरा एक दिन के लिए 1 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं, लेकिन राय की फिल्म अतरंगी के लिए उन्हें ऑलमोस्ट डबल पैसे दिए गए हैं। वैसे तो फिल्म की स्टोरी लाइन और इन सितारों के कैरक्टर्स को लेकर कोई खास जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा था कि इस फिल्म में अक्षय कैमियो रोल में होंगे और सारा धनुष के साथ फिल्म में इश्क फरमाती दिखेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा इस फिल्म अतरंगी रे में डबल रोल में नजर आ सकती हैं और अक्षय और धनुष दोनों के साथ अलग-अलग दौर के किरदार के साथ रोमांस करती नजर आ सकती हैं। फिल्म को लेकर अनाउंसमेंट के दौरान कहा गया था कि यह फिल्म अगले साल वैलंटाइंस डे पर रिलीज़ होगी। सारा अली खान ने इस फिल्म को घोषणा करते हुए कहा था, मुझे अपने लक पर यकीन नहीं हो रहा। बताया जा रहा है कि सारा का किरदार बिहार से है और धनुष साउथ से तो यकीनन फिल्म की कहानी में दोनों का रोमांस क्रॉस कल्चर की खूबसूरती दर्शाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा अक्षय के साथ भी रोमांस करेंगी, जो कि डिफरेंट एरा की कहानी होगी और यह कहानी धनुष और सारा की कहानी के साथ ही चलेगी।

पिता मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा और गुरु जैकी

बॉलीवुड के निर्माता जैकी भगनानी ने अपने पिता वाशु भगनानी को याद किया। वाशु भगनानी एक प्रसिद्ध फिल्म निर्माता हैं, उन्होंने हीरो नंबर 1 बडे मियां छोटे मियां जैसी कई अन्य फिल्मों में काम किया है, वह जैकी के पिता हैं और जैकी के पास अपने गुरु के बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है जो हृदयपूर्वक है। जैकी ने अपने सोशल मीडिया पर अभिषेक बच्चन का एक वीडियो साझा किया है जहां वह वाशु के बारे में एक प्रेरणादायक वाक्य को याद कर रहे है। वीडियो में अभिषेक बच्चन अपनी फिल्म गुरु से अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नजर आ रहे है। इस बारे में बात करते हुए, अभिषेक ने दिलचस्प रूप से उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे इस किरदार के लिए उनकी प्रेरणाश्रोत वाशु भगनानी थे। जैकी ने अपने पिता के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है कि कैसे वह कभी हार न मानने वाले शख्सियत हैं और वह अपने जीवन की कठिनाइयों के आगे कभी नहीं झुकते हैं। अभिनेता ने यह भी उल्लेख किया है कि कैसे उनके पिता उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा और गुरु हैं। यही वजह है कि जैकी ने अपनी सकारात्मक ऊर्जा को अपने पिता के प्रति समर्पित किया है। साथ ही, अभिनेता ने अभिषेक के ऑन-पॉइंट विवरण के लिए भी उन्हें धन्यवाद दिया है, जिस पर अभिषेक बच्चन ने एक इमोजी के साथ उन्हें जवाब दिया है। बता दें कि उन्हें लेबल जेजस्ट म्यूजिक से कृष्ण महामंत्र और लव सॉन्ग, लव यू ते दूजा सॉरी के बाद अब सभी को नई रिलीज का इंतजार है। युवा निर्माता महामारी के बीच फिल्म बेल बॉटम की शूटिंग शुरू करने और समाप्त करने में सफल रहे है और ऐसा करने वाली यह पहली बॉलीवुड फिल्म बन गयी है।

घर जाने की खुशी में करीना कपूर ने शेयर की पाउट वाली सेल्फी

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस करीना कपूर खान जबसे सोशल मीडिया पर आई हैं तभी से न केवल वह फैन्स के बीच काफी पॉप्युलर हैं बल्कि वह काफी ऐक्टिव भी रहती हैं। करीना कपूर अपनी प्रेग्नेंसी के बीच अपनी आने वाली फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग कर रही थीं। अब उनकी शूटिंग खत्म हो चुकी है और वह जल्द ही वापस मुंबई लौटकर आने वाली हैं। करीना कपूर पिछले काफी दिनों से लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग आमिर खान के साथ दिल्ली में कर रही थीं। इस दौरान करीना कपूर अपने पति सैफ अली खान और बेटे तैमूर के साथ पटौदी के अपने महल में रुकी हुई थीं। कुछ दिन पहले ही करीना ने अपनी इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है और इसी खुशी में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पाउट वाली एक सेल्फी शेयर की है। इससे पहले करीना ने आमिर खान के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए बताया था कि उन्होंने लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग पूरी कर ली है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए करीना ने लिखा, और हर सफर को खत्म होना होता है। आज, मैंने फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग पूरी कर ली। कठिन समय...महामारी, मेरी प्रेग्नेंसी, घबराहट लेकिन सारे सुरक्षा इंतजामों के साथ जिस जोश से हमने शूटिंग की उसे कोई नहीं रोक सकता था। करीना कपूर ने इस फिल्म के अलावा करण जौहर की आने वाली मल्टी-स्टारर फिल्म तख्त भी साइन की है। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू होगी और इसमें करीना के अलावा अनिल कपूर, विकी कौशल, रणवीर सिंह, भूमि पेडनेकर, जाहन्वी कपूर और आलिया भट्ट जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में होंगे।

इंडिया में लॉन्च होने से पहले ही इंटरनेट यूज़ कर रहे थे शम्मी कपूर

बॉलिवुड अभिनेता शम्मी कपूर का जन्म 21 अक्टूबर 1931 को हुआ था। यूं तो शम्मी कपूर कभी बहुत बड़े सुपरस्टार नहीं रहे लेकिन अपने फिल्मी करियर में उन्होंने बहुत सी यादगार फिल्में दी हैं। शम्मी ने 1953 की फिल्म जीवन ज्योति से डेब्यू किया था और उनकी आखिरी फिल्म रणबीर कपूर की रॉकस्टार थी जिसमें उन्होंने एक छोटी लेकिन यादगारर भूमिका निभाई थी। आइए, शम्मी के जन्मदिन पर जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ अनजानी बातें। शम्मी कपूर ने 50 के दशक में फिल्मों में काम किया था। उसी दौर में अमेरिकन सिंगर और ऐक्टर एल्विस प्रिस्ली की भी पूरी दुनिया में धूम थी। लुक्स और डांस में शम्मी कपूर और एल्विस प्रिस्ली में काफी समानताएं थीं और इसलिए शम्मी को बॉलिवुड का एल्विस प्रिस्ली कहा जाने लगा। शम्मी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत अपने पिता के पृथ्वी थिअटर में 50 रुपये की नौकरी से की थी। उस समय वह एक जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर काम करते थे। 4 साल बाद 1952 में उन्होंने यह नौकरी छोड़ दी थी और उस समय शम्मी को 300 रुपये महीने की सैलरी मिलती थी। 1953 में शम्मी कपूर ने लीला मिश्रा और शशिकला के साथ फिल्म जीवन ज्योति से डेब्यू किया था। शुरुआत में शम्मी की फिल्मों को लोगों ने बिल्कुल भी पसंद नहीं किया। बाद में शम्मी कपूर ने तुमसा नहीं देखा, दिल देके देखो, जंगली, कश्मीर की कली, तीसरी मंजिल, एन इवनिंग इन पैरिस, ब्रह्मचारी, प्रिंस और अंदाज जैसी बेहतरीन फिल्में दीं जिनमें शम्मी कपूर के अंदाज को लोगों ने बेहद पसंद किया था। जिस दौर में शम्मी कपूर फिल्में कर रहे थे तब हीरो फिल्मों में डांस नहीं किया करते थे लेकिन शम्मी कपूर अपने गानों में न केवल डांस करते थे बल्कि गानों को कोरियॉग्राफ भी खुद ही करते थे। शम्मी कपूर को अपनी फिल्मों में कभी कोरियॉग्रफर की जरूरत नहीं पड़ी। उस दौर में शम्मी कपूर के झटके वाले डांस को गर्दन तोड़ डांस का नाम दिया गया था। शम्मी कपूर को नई टेक्नॉलजी से बेहद प्यार था। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत में 1995 में इंटरनेट आया लेकिन शम्मी कपूर 1994 से ऐपल के जरिए इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने शुरुआती दौर में ही कई इंटरनेट असोसिएशंस बनाई थीं और कपूर फैमिली की वेबसाइट भी शम्मी कपूर ही संभालते थे। अपने जीवन के आखिरी समय तक शम्मी कपूर सभी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर ऐक्टिव थे। शम्मी कपूर ने ऐक्ट्रेस गीता बाली से शादी की थी। इन दोनों की मुलाकात 1955 में फिल्म रंगीन रातें के सेट पर हुई थी। हालांकि 1965 में गीता बाली की चेचक के कारण मौत हो गई जिसके बाद शम्मी कपूर डिप्रेशन में चले गए थे। 4 साल बाद शम्मी ने दूसरी शादी नीला देवी के साथ की थी लेकिन उन्होंने शर्त रख दी थी कि नीला कभी मां नहीं बनेंगी और गीता बाली के बच्चों आदित्य और कंचन को ही अपने बच्चों की तरह पालेंगी।

लोटपोट कर देगा मनोज बाजपेयी और दिलजीत दोसांझ का कॉमिक अंदाज

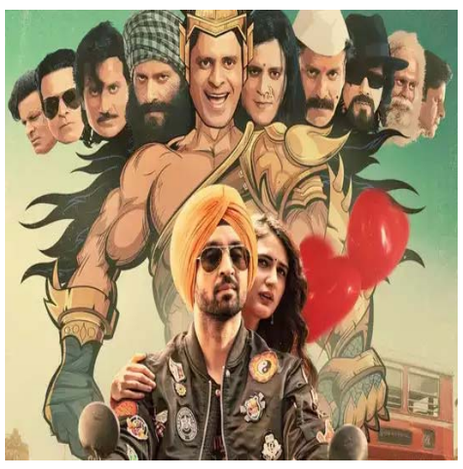

पिछले कुछ दिनों से मनोज बाजपेयी, दिलजीत दोसांझ और फातिमा सना शेख की आने वाली फिल्म %सूरज पे मंगल भारी% काफी चर्चा में है। इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज हो रही इस फिल्म के पोस्टर्स के बाद इसका ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर देखकर पता चलता है कि ज्यादातर सीरियस और इंटेंस रोल करने वाले मनोज बाजपेयी फिल्म में इस बार अपनी कॉमिडी से दर्शकों को गुदगुदाने जा रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर 3 मिनट और 16 सेकंड का है। सूरज पे मंगल भारी में 1995 की मुंबई दिखाई गई है। फिल्म में दिलजीत बने हैं सूरज सिंह ढिल्लन और मनोज बाजपेयी बने हैं मधु मंगल राणे। मंगल एक जासूस है जो शादियों से पहले होने वाले दूल्हे की जासूसी करता है। इसी जासूसी में मंगल एक बार सूरज का रिश्ता भी तुड़वा देता है। इसके बाद सूरज इस बात का बदला मंगल से लेने की ठान लेता है जिसके बाद फिल्म में बहुत कुछ मजेदार होने वाला है। एक नजर में फिल्म का ट्रेलर देखकर आपको ऋषिकेश मुखर्जी और बासु चटर्जी की कॉमन मैन वाली कॉमिडी फिल्मों की याद जरूर आएगी। फिल्म में फातिमा सना शेख मनोज बाजपेयी की छोटी बहन के किरदार में होंगी जबकि कॉमिडी का जोरदार तड़का लगाने के लिए मनोज पहवा, अन्नू कपूर और सुपिया पिलगांवकर जैसी मजबूत सपोर्टिंग कास्ट मौजूद है। अभिषेक शर्मा के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 13 नवंबर को दिवाली के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।